# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 117

भिलाई, शुक्रवार 11 फरवरी 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-



**किराये से देना है**

15x20 डबल स्टोरी दुकान किराये से देना है।

संपर्क :- 99933-16015

किराया - 8000 से 10000 मात्र

हाइवे पेट्रोल पंप के सामने दुर्गा मंदिर के बाजू में

जनता मार्केट, पावर हाउस, भिलाई


## खास-खबर

### 20 मिनट में लूटे 11 लाख रुपये और दो किलो सोना, बहू-पोती को बंधक बनाकर दिया वारदात को अंजाम

**जयपुर (एजेंसी)।** राजधानी में सांगानेर स्थित गुलाब विहार में चाकसु नगर पालिका के पूर्व पार्षद के घर तीन बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान बदमाश दो किलो सोने के जेवर और 11 लाख रुपए लूट कर ले गए। वारदात के समय पूर्व पार्षद रामधन सैनी की बहू ढाई महीने की बच्ची के साथ घर में अकेली थी। कमरा किराए पर लेने के बहाने घर में घुसे बदमाश उसे बंधक बनाकर 20 मिनट में वारदात कर फरार हो गए। शिल्पा ने पुलिस को बताया कि दोपहर में काली जैकेट, टोपी और चश्मा पहने तीन लोग किराए पर कमरा लेने के लिए आए, मना करने पर वापस चले गए। शिल्पा ने बताया कि दोपहर दो बजे ससुर रामधन कुछ काम के लिए घर आए और वापस चले गए। इससे कुछ देर बाद किराए पर कमरा पूछने के लिए आए बदमाश फिर आ गए। वारदात को अंजाम दिया।

## ऑफलाइन होंगी बोर्ड की परीक्षाएं

# 12वीं की 2 व 10वीं की 3 मार्च से परीक्षा, 6787 केन्द्र

### 6787 केंद्रों में इम्तिहान देंगे विद्यार्थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण को देखते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10वीं-12वीं बोर्ड की परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। शिक्षा मंडल द्वारा प्रदेश के 6787 स्कूल मान्यता प्राप्त हैं। कोविड-19 के मद्देनजर इस वर्ष मुख्य परीक्षा-2022 के लिए मान्यता प्राप्त सभी स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, ताकि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके। इस साल 6787 केंद्रों में परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें लगभग साढ़े छह लाख स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल होंगे। पढ़ाई फिलहाल ऑनलाइन ही चल रही है।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने स्पष्ट किया है कि जो विद्यार्थी जिस स्कूल का छात्र है उसे उसी स्कूल में परीक्षा देनी होगी। वहीं स्वाध्यायी के रूप में परीक्षा देने वाले छात्र ने जिस स्कूल से फॉर्म भरा है, उनका सेंटर भी उसी स्कूल में दिया जाएगा। वे स्वाध्यायी छात्र के रूप में उसी स्कूल से परीक्षा में शामिल होंगे।

### कोरोना की वजह से पिछले साल नहीं हुई परीक्षा

छत्तीसगढ़ में कोरोना की वजह से साल 2020-2021 की बोर्ड परीक्षा नहीं हो पायी थी। बोर्ड को 10वीं की परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। परीक्षार्थियों को उनके असाइनमेंट के आधार पर नंबर दिए गए। वहीं 12वीं की परीक्षा पहले स्थगित की गई, बाद में इसका तरीका बदल दिया गया। परीक्षार्थियों को केंद्रों से प्रश्नपत्र मिले, जिसका उत्तर परीक्षार्थियों ने घर से लिखकर जमा किया था। इसका छात्र संगठनों ने विरोध भी किया था।

### सीजी बोर्ड की 2 मार्च से शुरू हो रहीं परीक्षाएं

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस बार हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा 2 मार्च से शुरू की जा रही है। वहीं हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 3 मार्च से शुरू होगी। कक्षा 12वीं की परीक्षाएं 2 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च तक चलेंगी। वहीं कक्षा दसवीं की परीक्षाएं 3 मार्च से 23 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 3 मार्च से 11 मार्च तक आयोजित की जाएगी।

इधर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीबीएसई) ने भी 10वीं और 12वीं बोर्ड की टर्म-2 परीक्षाओं की तिथि घोषित की है। ये परीक्षाएं 26 अप्रैल से शुरू होंगी। मंडल ने स्पष्ट किया है, इस बार बोर्ड परीक्षा ऑफ्लाइन मोड में ही होगी।

## एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा हिजाब विवाद, अदालत ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कर्नाटक के स्कूल और कॉलेजों में हिजाब पहनने की मांग को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, इस मामले में गुरुवार (10 फरवरी) कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अंतिम फैसला आने तक स्कूल और कॉलेजों में धार्मिक कपड़े नहीं पहनने का अंतरिम आदेश दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह देख रहा है कि कर्नाटक में क्या हो रहा है और हाईकोर्ट में इसकी सुनवाई हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों से कहा कि इसे राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा न बनाएं। सुप्रीम कोर्ट सही समय पर हस्तक्षेप करेगा।

### यह है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक सरकार में हिजाब को लेकर विवाद की शुरुआत जनवरी 2022 के दौरान हुई थी। उस वक्त उडुपी के एक सरकारी कॉलेज में छह छात्राएं हिजाब पहनकर कॉलेज पहुंच गई थीं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं को हिजाब पहनने के लिए मना किया था। इसके बावजूद छात्राएं हिजाब पहनकर पहुंचीं। उन्हें रोका गया तो दूसरे कॉलेजों में भी विवाद होने लगा।

### उच्च न्यायालय ने दिया था अंतरिम आदेश

सरकार के इस आदेश पर विवाद होने लगा, जिसके बाद कुछ छात्राओं ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर कीं। इस याचिका को एकल पीठ ने चीफ जस्टिस ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाली बड़ी बेंच को भेज दिया, जिस पर गुरुवार को भी सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस ऋतुराज अवस्थी ने स्कूल-कॉलेज खोलने का अंतरिम आदेश जारी किया। साथ ही, आखिर फैसला आने तक धार्मिक कपड़े पहनने पर रोक लगा दी।

### कर्नाटक सरकार के इस फैसले के बाद शुरू हुआ विवाद

गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने राज्य में कर्नाटक एजुकेशन एक्ट-1983 की धारा 133 लागू कर दी है। इसके तहत सभी स्कूल-कॉलेज में यूनिफॉर्म अनिवार्य कर दी गई है। ऐसे में सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में तय यूनिफॉर्म ही पहननी होगी। वहीं, प्राइवेट स्कूल भी अपनी यूनिफॉर्म चुन सकते हैं।

## रेलिंग तोड़ हिंडन नहर में जा गिरी कार दर्दनाक हादसे में तीन घरों के बुझे चिराग

**गाजियाबाद (एजेंसी)।** गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा में देर रात एक दर्दनाक हादसे में तीन घरों के चिराग बुझ गए। जानकारी के अनुसार गुरुवार देर रात करीब 1:30 बजे एक तेज रफ्तार स्कोडा कार रेलिंग तोड़कर हिंडन नहर में जा गिरी। कार में तीन दोस्त सवार थे और हादसे में तीनों की मौत हो गई।

कार सवार युवक खोड़ा क्षेत्र से अपने दोस्त की बहन की शादी में इंदिरापुरम के एक फार्म हाउस में आए थे। वह शादी से वापस लौट रहे थे और अचानक ये दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें तीन दोस्तों की नहर में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने तत्काल क्रेन और जेसीबी की मदद से गाड़ी को बाहर निकल कर तीनों के शव कब्जे में लिए।

इसकी सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और उन में कोहराम मच गया। तीनों दोस्तों की पहचान सोनू पुत्र शंकर निवासी दीपक विहार खोड़ा कॉलोनी, देव गुप्ता पुत्र प्रदीप गुप्ता निवासी दीपक विहार और ललित पुत्र नरेश निवासी अलीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

## सरकार ने मांगी मंदिरों की जानकारी, घर में मंदिर तो भरना पड़ सकता है चार फीसदी टैक्स

**पटना (एजेंसी)।** बिहार सरकार ने सभी जिलों के मजिस्ट्रेट को उनके जिलों के रजिस्टर्ड और अनरजिस्टर्ड मंदिर और धर्मशालाओं की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए हैं। 38 जिलों के मजिस्ट्रेट को दो महीने में मंदिर और धर्मशालाओं के बारे में बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद को जानकारी देनी है।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के चेयरमैन अखिलेश कुमार जैन ने बताया कि नौ संभाग से जानकारी मिलने के बाद धार्मिक न्यास परिषद अपंजीकृत मंदिरों और धर्मशालाओं को बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद में पंजीकृत कराने के लिए कहेगी। मगध, सारण और कोशी के डिविजनल कमिश्नरों ने धर्म न्यास परिषद को दो महीने में उनके जिलों के पंजीकृत और अपंजीकृत मंदिरों और धर्मशाला की लिस्ट भेजने का आश्वासन दिया है।

जैन ने बताया कि धार्मिक न्यास परिषद ने अन्य संभागों के कमिश्नरों से यही मांग की है। इसके लिए दरभंगा और पटना के डीसी के साथ 11 फरवरी और 12 फरवरी को वर्चुअल मीटिंग रखी गई है। बिहार हिंदू धर्म ट्रस्ट एक्ट 1950 के तहत राज्य के सभी सार्वजनिक और धर्मशालाओं को बीएसआरटीसी में रजिस्टर कराना अनिवार्य है। इसके तहत पंजीकरण हो जाने के बाद मंदिरों और धर्मशाला को सालाना अपनी कुल आय का चार प्रतिशत धर्म न्यास परिषद को देना होगा।

### 10 हजार से अधिक सार्वजनिक मंदिर

राज्य में लगभग 4 हजार 500 मंदिर रजिस्टर हैं, जिनमें से सिर्फ 250 से 300 मंदिर बीआरसीटीसी को टैक्स चुकाते हैं। राज्य में 10 हजार से अधिक पंजीकृत और अपंजीकृत सार्वजनिक मंदिर हैं। अखिलेश जैन ने बताया कि किसी के घर में बना मंदिर अगर लोगों के लिए खुला है तो उन्हें ट्रस्ट से रजिस्टर कराना चाहिए। मंदिर तभी प्राइवेट की श्रेणी में आ सकता है, जब सिर्फ परिवार वाले वहां पूजा करते हों।

## नक्सलियों का आतंक

# मुखबिरी के शक में ग्रामीण की बेरहमी से हत्या, घर से कुछ दूरी पर रेत डाला गला

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** दंतेवाड़ा में नक्सलियों को आतंक जारी है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार को नक्सलियों ने यहां पर एक ग्रामीण की बेरहमी से हत्या कर दी। ग्रामीण पर आरोप लगाया कि वह पुलिस का मुखबिर है और नक्सलियों के बारे में पुलिस को सूचनाएं देता है। बताया जा रहा है कि जिले के कटेकल्याण थाना क्षेत्र के टेटम गांव में आठ से दस नक्सली रात में पहुंचे और घटना को अंजाम दिया।

### घर से उठाकर ले गए ग्रामीण को

जानकारी के मुताबिक, टेटम गांव का रहने वाला मंगलू मरकाम बुधवार रात अपने घर में सोया हुआ था। इसी दौरान करीब आठ से दस नक्सली उसके घर पहुंचे और उसे उठाकर ले गए। इसके बाद कुछ ही दूरी पर उन्होंने धारदार हथियार से मंगलू का गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को भी गांव में ही फेंककर नक्सली फरार हो गए। परिजनों में नक्सलियों का आतंक इतना था कि कोई भी पुलिस को यह सूचना तक नहीं दे पाया।

### पुलिस ने दर्ज किया मामला

घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस को पता चली, मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि कटे कल्याण थाने में हुई हत्या के बाद मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। हत्या में शामिल लोगों की तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

### पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

मुखबिरी के शक में ग्रामीण की हत्या की वारदात पहली नहीं है। इससे पहले भी इस तरह की घटनाओं को नक्सली अंजाम दे चुके हैं। अभी हाल ही में नक्सलियों ने एक व्यक्ति को गांव की चौपाल लगाकर मार दिया था। इससे पहले बीजापुर जिले में कांग्रेस कार्यकर्ता घनश्याम मंडावली की भी हत्या कर दी गई थी। पुलिस का कहना है कि नक्सलियों के खिलाफकार्रवाई की जा रही है। सभी मामलों में जांच-पड़ताल के बाद पुलिस एक्शन ले रही है।

## छत्तीसगढ़ में कोरोना के 1008 नए मरीज मिले, 24 घंटे में 7 की गई जान, एक्टिव केस 10 हजार से कम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में कोरोना की तीसरी लहर का संक्रमण अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। पॉजिटिविटि दर भी कम हो गई है। गुरुवार को प्रदेश में 1008 नए केस मिले हैं, जिसमें दुर्ग में सबसे ज्यादा 115 संक्रमितों की पुष्टि हुई है। कोरोना से प्रदेश में 7 लोगों की जान भी चली गई। रायपुर और दुर्ग में सबसे ज्यादा केस मिले हैं। प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या 10 हजार से कम हो गई है। छत्तीसगढ़ में इस महामारी से अब तक 13,978 लोगों की जान जा चुकी है। प्रदेश में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के अब तक कुल 46 मरीज भी मिल चुके हैं।

स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को प्रदेश में 1008 नए केस मिले हैं, जिसमें सबसे ज्यादा दुर्ग में 115 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद रायपुर में 113, बिलासपुर में 106, राजनांदगांव में 76, कबीरधाम में 57, धमतरी में 52, कोरबा में 48, जांजगीर-चांपा में 47, कांकेर में 47, सूरजपुर में 44, सरगुजा में 38, बेमेतरा में 32, जशपुर में 31, रायगढ़ में 28 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 14 जिलों में 1 से 20 के बीच मरीज मिले हैं। बड़ी संख्या में मरीजों के स्वस्थ होने से प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 9,897 हो गई है।

### पॉजिटिविटी दर 3.29 प्रतिशत से घटकर 2.69 प्रतिशत

गुरुवार को 37 हजार 448 सैंपलों की जांच की गई। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 3.29 प्रतिशत से घटकर 2.69 प्रतिशत हो गई है। कोरोना संक्रमण से रायपुर में में 2, दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, कांकेर और बीजापुर में 1-1 की मौत हुई है। पखवाड़ेभर बाद गुरुवार को मृतकों का आंकड़ा 10 से नीचे आया है। हॉस्पिटल से 129 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 1,570 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में पॉजिटिविटी दर कम हुई है। बड़ी संख्या में मरीजों के स्वस्थ होने से एक्टिव केस भी धीरे-धीरे कम हो रहे हैं।

### कोरोना से राहत: नए मामले 60 हजार से कम, मौतों की संख्या भी घटी

देश में कोरोना की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो रही है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को कोरोना के नए मामले 60 हजार से भी नीचे आए। पिछले 24 घंटों में देश में 58,077 नए मामले दर्ज किए गए तो वहीं 1,50,407 लोग कोरोना से ठीक होकर अपने घर लौट गए। हालांकि, कोरोना से होने वाली दैनिक मौतें अभी भी स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता का कारण बनी हुई हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के अंदर 657 लोगों की कोरोना से मौत हो गई। तेजी से घटते कोरोना मामलों के बीच दैनिक संक्रमण दर में भी काफी गिरावट दर्ज की गई है। अब दैनिक पॉजिटिविटी रेट 3.89त्न रह गई है। वहीं सक्रिय मामले घटकर 6,97,802 पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, देश में अब तक कोरोना के कुल 4,25,36,137 मामले सामने आ चुके हैं। इसमें 4,13,31,158 लोग ठीक हुए हैं। वहीं कुल मौतें 5,07,177 हुई हैं। देश में 1,71,79,51,432 लोगों का टीकाकरण हो चुका है।

# अल्मोड़ा में बोले मोदी- 14 को धूप खिले ना खिले कमल खिलना चाहिए

**नोएडा (एजेंसी)।** राज्यों में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। बड़े चेहरे चुनाव प्रचार के लिए उतर चुके हैं और आरोप-प्रत्यारोप का भी दौर जारी है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस के इनते पुराने मंत्री, गवर्नर रहे हैं कोई कहीं प्रचार करने तक नहीं आता है। सिर्फ दो भाई-बहन आते हैं। क्योंकि उन्हें अपना परिवार बचाना है। 14 तारीख को धूप खिले ना खिले कमल खिलना चाहिए। ये ब्रह्मकमल वाला कमल है।'

### उत्तराखंड के लोगों को डरपोक कहके उनका अपमान कर रही कांग्रेसः मोदी

अल्मोड़ा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिना दलाली के ये लोग कोई भी मदद आम लोगों तक नहीं पहुंचने देंगे। जिस उत्तराखंड के हर घर से सेना के वीर जवान निकलते हैं। उनके नाम के आगे ये लोग डर जोड़ रहे हैं। कांग्रेस के लोग उत्तराखंड से जुड़े नहीं हैं। लेकिन, कम से कम उत्तराखंड के बारे में कुछ समझ कर आया करिए। इन्हें डरपोक कह करके आप उत्तराखंड की वीर माताओं का अपमान करते हैं। ऐसे अपमान को उत्तराखंड कभी बर्दास्त नहीं करेगा।

### जो निराशा फैला रहे हैं वो अल्मोड़ा में आकर देखें: मोदी

अल्मोड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र ने कहा कि जो लोग निराशा फैलाने में लगे रहते हैं, जिन्हें भाजपा की कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती मैं उन्हें कहता हूं कि अगर उत्तराखंड के संबंध में आपके मन में कोई आशंका है तो मेरे अल्मोड़ा में आकर देखो।

### अल्मोड़ा में क्या बोले प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अल्मोड़ा में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे हैं। यहां उन्होंने कहा, मैंने जो कल देखा उसके बाद साफ है कि भाजपा से ज्यादा जनता उसे जिताने में लगी है। उत्तर प्रदेश में पहले चरण के मतदान में भी भाजपा के लिए जबरदस्त वातावरण रहा। कल के मतदान के बाद मैं कहता हूं कि भाजपा पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाली है।

## संपादकीय

# पहले चरण का मतदान

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों का जनादेश अब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और वीवीपैट में दर्ज हो चुका है। बृहस्पतिवार को जिन 58 सीटों के लिए मतदान हुआ, वे भले ही कुल सीटों का लगभग आठवां हिस्सा हैं, लेकिन उनका राजनीतिक महत्व बहुत ज्यादा है। ये सारी सीटें पक्ष और विपक्ष, सबके लिए खासी महत्वपूर्ण हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने इनमें से 53, यानी कुल 91 फीसदी सीटें जीतकर जो विजय यात्रा शुरू की थी, उसके बाद उसने उस पूरे चुनाव में पीछे मुड़कर नहीं देखा। यानी, अगर भाजपा फिर सत्ता पर काबिज होना चाहती है, तो उसे फिर से इन सीटों पर अपनी धमक साबित करनी होगी। इसी तरह, विपक्षी दल अगर भाजपा को अपदस्थ करना चाहते हैं, तो यह पहला चरण ही उनके लिए सबसे बड़ा है। यहां अगर विपक्ष ने अच्छा आगाज कर लिया, तो भाजपा के लिए आगे चुनौतियां काफी बढ़ जाएंगी। आबादी के हिसाब से यह इलाका बाकी उत्तर प्रदेश से काफी अलग है। यहां 58 फीसदी आबादी अब भी गांवों में रहती है, जबकि बाकी उत्तर प्रदेश में यह प्रतिशत 81 है, यानी यह उत्तर प्रदेश का वह हिस्सा है, जहां शहरी आबादी सबसे ज्यादा है। साथ ही यह प्रदेश का वह इलाका भी है, जहां कृषि उपज सबसे ज्यादा है।

> हमें यह ध्यान रखना होगा कि यह उस चुनाव का पहला चरण है, जिसके बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि उत्तर प्रदेश के ये चुनाव देश के अगले आम चुनाव के लिए भी निर्णायक होंगे। इसे देश का मिनी आम चुनाव भी कहा जा रहा है। इस समय पांच राज्यों की कुल 690 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं और माना यह जा रहा है कि नतीजे जो भी हों, 2024 के आम चुनाव पर उनकी छाप दिखाई देगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ऐसे चुनाव का शांतिपूर्ण आगाज लोकतंत्र के लिए एक अच्छी खबर है।

प्रदेश का यह हिस्सा इस बार इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है कि ये विधानसभा चुनाव किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में हो रहे हैं। दिल्ली की सीमाओं पर एक साल से भी ज्यादा समय तक जो किसान आंदोलन चला था, उसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आंदोलन जिन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ था, वे वापस हो गए और किसान आंदोलन भी खत्म हो गया, उसके बाद हुआ यह मतदान कई चीजों की व्याख्या करेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और दूसरी सुविधाएं पाने वाले किसानों की संख्या भी यहां काफी है, इसलिए इस चरण के नतीजे यह बताएंगे कि किसानों के असंतोष और सरकार की ओर से मिले उन्हें लाभ में चुनावी बाजी किसके हाथ रही। पहले चरण में प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ जैसे वे इलाके भी हैं, जो राज्य के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। ये वही इलाके हैं, जो महामारी के दौर में बंदी और पलायन के गवाह बने और अब फिर से पुराने दौर में लौटने की कोशिश कर रहे हैं। एक फर्क यह भी है कि इस इलाके में साल 2017 का आम चुनाव 2013 के सांप्रदायिक दंगे की पृष्ठभूमि में हुआ था। इस बार ऐसे कोई तनाव नहीं हैं, इसलिए माना जा रहा है कि अब लोगों की वास्तविक मुसीबतें ही मुख्य चुनावी मुद्दे हैं। हमें यह ध्यान रखना होगा कि यह उस चुनाव का पहला चरण है, जिसके बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि उत्तर प्रदेश के ये चुनाव देश के अगले आम चुनाव के लिए भी निर्णायक होंगे। इसे देश का मिनी आम चुनाव भी कहा जा रहा है। इस समय पांच राज्यों की कुल 690 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं और माना यह जा रहा है कि नतीजे जो भी हों, 2024 के आम चुनाव पर उनकी छाप दिखाई देगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ऐसे चुनाव का शांतिपूर्ण आगाज लोकतंत्र के लिए एक अच्छी खबर है।

**सरकार बढ़ी हुई बजटीय सहायता प्रदान करके राष्ट्रीय राजमार्गों में निरंतर निवेश सुनिश्चित करते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को वित्तीय रूप से एक सक्षम इकाई बनाए रखने की दृष्टि से इसे मजबूत कर रही है। जैसे ही आत्मविश्वास और उत्साह के बूते नागरिकों के दिमाग पर इस समय छाई महामारी-जनित चिंताएं दूर होंगी, बजट में घोषित किए गए विभिन्न उपाय और उसमें परिकल्पित पूंजीगत निवेश संबंधी कदम निजी निवेश का अंबार लगाने में सफल होंगे।**

# केंद्रीय बजट 2022-23 के मायने

वी. अनंत नागेश्वरन

वित्त मंत्री द्वारा 1 फरवरी को प्रस्तुत 2022-23 के बजट की 4 प्रमुख विशेषताएं (4 सी) हैं - निरंतरता, यथार्थता, पारंपरिक व्यापार बुद्धिमत्ता और बड़ी परियोजना के साथ छोटी परियोजनाओं की शुरुआत।

बजट ने दो साल पहले शुरू की गई प्रथा, जिसके तहत सभी व्यय को कारोबार की आय के साथ रखा जाता है, को जारी रखा है। अतिरिक्त-बजटीय संसाधन; जिनमें उधार की गारंटी और इसकी प्रक्रिया, केंद्र सरकार के द्वारा पूरी की जाती है; चालू वर्ष के संशोधित अनुमानों (आरई) में 750 करोड़ रुपये के एकल परिवर्तनीय मद तक सीमित रखा गया है। बजट को अंतिम रूप देने में पारदर्शिता और त्रुटिहीन लेखांकन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है, जैसा पिछले दो बजटों में भी देखा गया है।

पिछले दो वर्षों में, वैश्विक महामारी की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, सरकार द्वारा आपातकालीन ऋण योजनाओं तथा आपातकालीन खाद्यान्न समर्थन (पीएम गरीब कल्याण योजना) के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सहायता प्रदान की गयी है। इनमें सार्वजनिक वितरण की पात्रता के साथ-साथ अतिरिक्त खाद्यान्न का आवंटन, जिसे कई बार विस्तार दिया गया है तथा ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम व पीएम-किसान के आवंटन में वृद्धि शामिल हैं। इस वर्ष के बजट में, आपसी-संपर्क आधारित क्षेत्रों, जो अभी तक अपने महामारी-पूर्व के स्तर पर वापस नहीं आ पाए हैं, के लिए आपातकालीन ऋण गारंटी योजना का विस्तार किया गया है। सूक्ष्म एवं माध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए ऋण गारंटी ट्रस्ट में सुधार और इसमें अतिरिक्त पूंजी के आवंटन से एमएसएमई को 2.0 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण की सुविधा मिलेगी।

सरकार ने अर्थव्यवस्था में कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक परिवर्तनों की शुरुआत की है और इसके लिए महामारी आपदा का उपयोग एक अवसर के रूप में किया गया है। कुछ उदाहरणों में शामिल हैं - 14 क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं, पूर्वव्यापी कराधान से जुड़ी अनिश्चितता को समाप्त करना, निजीकरण, करदाता की उपस्थिति या सम्बंधित जानकारी के बिना (फेसलेस) आयकर मूल्यांकन और कॉर्पोरेट एवं व्यक्तिगत आयकरों में कमी, जहाँ करदाता कम या बिना छूट के कर के निम्न दर का विकल्प चुन सकते हैं या पुरानी पद्धति के तहत रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। इसके अलावा, महत्वपूर्ण प्रक्रिया-आधारित उपायों, जैसे गति शक्ति डैशबोर्ड का शुभारंभ, सरकारी खरीद में सुधार, फैक्टरिंग कानूनों में बदलाव और खाता संगणक (एग्रीगेटर) रूपरेखा की शुरुआत की गयी है। 2022-23 का बजट, संरचनात्मक सुधारों और प्रक्रिया-सुधार के संयोजन से जुड़े दृष्टिकोण पर आधारित है। गति शक्ति के तहत विभिन्न पहल, एमएसएमई को ऋण सुविधाओं की सहायता देने के लिए कई पोर्टलों (उद्यम, ई-श्रम, एनसीएस और असीम) को आपस में जोड़ना, कौशल और क्षमता-वृद्धि, डाकघरों को कोर-बैंकिंग समाधान के साथ सक्षम बनाना, आयकर प्रपत्र में पिछले दो साल तक की त्रुटियों को ठीक करने के लिए वर्तमान के आयकर प्रपत्र में उल्लेख की सुविधा और चयनित क्षेत्रों के अंतर्गत विश्वस्तरीय विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों की स्थापना के लिए गिफ्ट शहर में सुविधा उपलब्ध कराना आदि को कुछ उदाहरणों के रूप में देखा जा सकता है। मौजूदा कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का पूर्वानुमान कई लोगों को बहुत अधिक रूढ़िवादी लग सकता है, खासकर यह देखते हुए कि आर्थिक सर्वेक्षण में वर्ष 2021-22 के लिए स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत से लेकर 8.5 प्रतिशत के बीच की विकास दर का अनुमान लगाया गया है। चाहे कुछ भी हो, तिमाही दर तिमाही आधार पर वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी की गिरावट को देखते हुए इस पूर्वानुमानित वृद्धि दर के नीचे रह जाने के बजाय ऊपर चले जाने की संभावना अधिक है। यह वर्ष 2022-23 के लिए एक सकारात्मक आधार प्रभाव पैदा करता है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में आर्थिक गतिविधियों पर ओमिक्रोन वैरिएंट के असर की वजह से यह प्रभाव थोड़ा कमजोर रह सकता है। अगरवर्ष 2022-23 के दौरान विविध बाहरी झटके (तेल की कीमत का झटका, वैश्विक वित्तपोषण की स्थिति को प्रभावित करने वाला फेड की मौद्रिक नीति का सामान्यीकरण आदि) भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, तो 11.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रूढ़िवादी लगने के बजाय विवेकपूर्ण लग सकती है।

एयर इंडिया में लगभग 52000 करोड़ रुपये के नकद प्रवाह को अलग रखने के बाद, सरकार का पूंजीगत व्यय संशोधित बजट अनुमान की तुलना में 36 प्रतिशत (और वर्ष 2021-22 के बजट अनुमान से 35.4 प्रतिशत) अधिक हो जाएगा। इसमें राज्य सरकारों को पूंजी प्रवाह के लिए एक लाख करोड़ रुपये का 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण शामिल है। इसमें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को (इक्विटी के रूप में प्रदान किया गया) 69000 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष के 65000 करोड़ रुपये से अधिक) की वृद्धिशील बजटीय सहायता भी शामिल है। ये सारी जानकारियां पब्लिक डोमेन में हैं।

अगर राज्य सरकारों को अतिरिक्त उधार सीमा के रूप में इन एक लाख करोड़ रुपये की अनुमति दी जाती, तो उन्हें एक ऐसे ब्याज दर को वहन करना पड़ता जो उस दर से अधिक है जिस पर केन्द्र सरकार उधार लेती है। इसके अलावा, इस धन का उपयोग राजस्व व्यय के लिए किया जा सकता है। यह ब्याज मुक्त ऋण, जोकि पूंजीगत व्यय के लिए समर्पित है, इस प्रकार के व्यय को प्रोत्साहित करता है। तथ्य यह है कि नवंबर 2021 तक राज्यों का पूंजीगत व्यय पिछले वित्तीय वर्ष के इसी समान आठ महीनों की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक था और यह पूरी तरह से पूंजीगत व्यय उद्देश्यों के लिए 50 वर्ष के इस ब्याज मुक्त ऋण के संगत में है।

हाल के वर्षों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पूंजीगत निवेश का वित्त पोषण उल्लेखनीय रूप से उधार के माध्यम से किया गया है और इससे इसके ब्याज का बोझ बढ़ गया है। सरकार बढ़ी हुई बजटीय सहायता प्रदान करके राष्ट्रीय राजमार्गों में निरंतर निवेश सुनिश्चित करते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को वित्तीय रूप से एक सक्षम इकाई बनाए रखने की दृष्टि से इसे मजबूत कर रही है। जैसे ही आत्मविश्वास और उत्साह के बूते नागरिकों के दिमाग पर इस समय छाई महामारी ङ्कजनित चिंताएं दूर होंगी, बजट में घोषित किए गए विभिन्न उपाय और उसमें परिकल्पित पूंजीगत निवेश संबंधी कदम निजी निवेश का अंबार लगाने में सफल होंगे।

**लेखक भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं। ये उनके निजी विचार हैं**

# स्वाभिमानी नागरिक के सबसे बड़े पैरोकार

प्रभात झा, पूर्व सांसद

कुछ वर्ष पहले की बात है। एक दिन वरिष्ठ भाजपा नेता केदारनाथ साहनी ने मुझे बुलाया और कहा कि दीनदयाल जी के साथ कार्य करने वाले अब देश में कुछ ही लोग बचे होंगे, उनके बारे में इन लोगों के जो संस्मरण हैं, उनको इकट्ठा कर लेना चाहिए। यह पुस्तक भारतीयों के लिए लाभप्रद होगी। तय हुआ कि पुस्तक का नाम अजातशत्रु होगा। दीनदयाल जी के साथ वर्षों काम करने वाले करीब 80 नाम जुटाए गए। इनमें से 42 लोग ही लिखकर या बोलकर संस्मरण देने में समर्थ थे। हम यहां तीन लोगों- अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और नानाजी देशमुख के संस्मरणों के अंश दे रहे हैं।

अटल जी ने लिखा- पंडित दीनदयाल उपाध्याय के लिए राजनीति साधन थी, साध्य नहीं। वह राजनीति का आध्यात्मीकरण चाहते थे। उनकी आस्था सदियों पुराने अक्षय राष्ट्र-जीवन की जड़ों से रस ग्रहण करती थी, किंतु वह रूढ़िवादी नहीं थे। इसीलिए उन्होंने भारतीय जनसंघ का ऐसा स्वरूप विकसित किया, जो अतीत की गौरव-गरिमा को लेकर चले और आने वाले कल की चुनौतियों का सामना करने में सन्नद्ध हो। दीनदयाल जी को कभी किसी पद ने मोहित नहीं किया। बड़ी मुश्किल से उन्होंने जनसंघ के अध्यक्ष का पदभार संभाला था। उनकी अध्यक्षता में 1967 में कालीकट अधिवेशन बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। जनता की आंखें आशा और विश्वास के साथ उन पर जा लगी थीं। देश-विदेश के लोगों ने कहा कि कालीकट में जनसंघ ने नया रूप धारण किया है, लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था।

लालकृष्ण आडवाणी ने जो बताया, उससे लगता है कि अगर दीनदयाल जी उनकी बात मान गए होते, तो उस समय उनकी संदिग्ध मौत नहीं होती। आडवाणी जी उनसे अक्सर कहते कि हम आपको एक स्टेनो देते हैं। वह आपके साथ रहेगा। आप ट्रेन में भी उसे कहेंगे, तो वह टाइप करता रहेगा। एक न एक व्यक्ति को आपके साथ होना ही चाहिए। यहां तक कि जब वह मुगलसराय के लिए दिल्ली से निकले, तो उसके पूर्व भी आडवाणी जी उनसे मिलने गए थे, तब भी यह आग्रह किया था। पर उन्होंने कहा, 'नहीं भाई, मैं अपना काम स्वयं कर लेता हूं और लिखने का भी काम स्वयं कर लूंगा'। आज लगता है कि काश! दीनदयाल जी ने उनकी बात मान ली होती।

नानाजी देशमुख ने अपने संस्मरण में लिखा है कि दीनदयाल जी के जीवन का प्रत्येक प्रसंग प्रेरणास्पद रहा है। एक सुबह दीनदयाल जी और नानाजी देशमुख साथ-साथ सब्जी खरीदने बाजार गए। दो पैसे की सब्जी ली। लौटकर घर पहुंचने को थे कि दीनदयाल जी एकाएक रुक गए। उनका एक हाथ जेब में था। बोले- 'नाना, बड़ी गड़बड़ हो गई'। नाना ने पूछा, 'क्या गड़बड़ हो गई?' तब दीनदयाल जी ने कहा, 'मेरी जेब में चार पैसे थे, उनमें से एक खोटा था। वही पैसा उस सब्जी वाली को दे आया हूं। मेरी जेब में बचे दोनों पैसे सही हैं। वह क्या कह रही होगी? चलो, उसे ठीक पैसा दे आएं'। दीनदयाल जी के चेहरे पर एक अपराधी जैसा भाव उतर आया था। दोनों वापस सब्जी वाली के पास पहुंचे। उसे वास्तविकता बताई, तो वह कहने लगी, 'कौन ढूंढ़ेगा तुम्हारा खोटा पैसा? जाओ, जो दे दिया, सो दे दिया'। किंतु दीनदयाल जी नहीं माने। उन्होंने उस वृद्धा के पैसों के ढेर से अपना चिकना खोटा सिक्का ढूंढ़ निकाला। उसके बदले दूसरा सही पैसा उसे दिया, तब कहीं जाकर उनके चेहरे पर संतोष का भाव उभरा। वृद्धा सब्जी वाली की आंखें डबडबा गईं। नानाजी देशमुख कहा करते थे कि भारत विशाल देश है। यहां जमीन कम, लोग अधिक हैं। अधिक लोगों को काम पर लगाने से ही देश का भला होगा।

दीनदयाल जी का मानना था कि पहले हमें लोगों की मनोवृत्ति का जागरण करना होगा। उनकी सृजनशीलता द्वारा उन्हें अपने आधार पर खड़ा करना होगा। स्वावलंबन मानव की पहली आवश्यकता है। क्या बिना स्वावलंबन के कोई स्वाभिमानी हो सकता? देश आजाद हुआ। हमें हर गांव में स्वाधीनता का माहौल पैदा करना चाहिए था। हमें स्वतंत्रता इसलिए मिली है कि हम एक स्वाधीन राष्ट्र के स्वाभिमानी नागरिक बनें। मौजूदा सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को देखकर लगता है कि दीनदयाल जी रोज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुछ कहते हैं और वह उसे कार्य रूप दे रहे हैं। तभी तो वह समाज की 'अंतिम पंक्ति' के 'अंतिम व्यक्ति' का स्वर बन रहे हैं।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

**श्रीमती अंजली जैन की कलम से...**

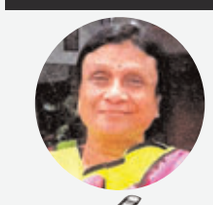

बीमारियों से क्या हारना भले ही जिद्दी हो पर तुम्हें, उम्मीद का दामन और भगवान का स्मरण करना नहीं छोड़ना चाहिए।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्री सांई शूज कलेक्शन
जूते, चप्पल एवं पंजाबी जूती की विशाल श्रृंखला
Roshi 9302834546
मेनोनाईट चर्च के सामने, जी.ई. रोड. दुर्ग (छ.ग.)

डिम्पी ज्वेलर्स
सजेश भोरकर 9907157053
राकेश भोरकर 9302830835
आजाद चौक, कसारीडीह, दुर्ग (छ.ग.)

स्थानांतरण
लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल भैय्या
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

NJ
सोने, चांदी के जेवर के विक्रेता
सांखला नवीन ज्वेलर्स
जवाहर चौक, दुर्ग

राजहंस राजस्थानी थाली रेस्टोरेन्ट
शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था
पार्सल की सुविधा उपलब्ध
भागीरथ पंचारिया मो.- 9893302026
हरित जोशी मो.- 7000515894
होटल न्यू इंडिया के नीचे, पोलसाय पारा चौक, दुर्ग (छ.ग.)

With Best Service and Quality
Since Last 28 Years
कृष्णा ऑप्टिकल्स
आँखों की निःशुल्क जांच की जाती है
तुरंत चश्मा प्राप्त करें
krishnaopticalsdurg.com ahujav67@gmail.com krishna_opticals_1993 krishnaoptical'sdurg
नये बस स्टैण्ड के सामने, सौभग्य कॉम्पलेक्स, दुर्ग 98279 53331
मातोश्री काम्पलेक्स, महाराजा चौक, दुर्ग 93031 07850

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्पलेक्स के पास
दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

# श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़



इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM




## खास खबर

### स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए 338.79 करोड़ रूपए की वार्षिक कार्ययोजना को मिली स्वीकृति

**रायपुर।** मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में 15वें वित्त आयोग के माध्यम से स्वास्थ्य अनुदान के क्रियान्वयन के लिए गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। भारत सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग के तहत राज्य के 338.79 करोड़ रूपए के प्रस्ताव को स्वीकृति प्राप्त हुई है। मुख्य सचिव श्री जैन ने राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए है। स्वीकृत कार्ययोजना के तहत भवन विहीन उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण, विभिन्न जांच-परीक्षण सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, विभिन्न संदर्भ केन्द्र, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कार्यरत हेल्थ एण्ड वेलनेश सेंटर का उन्नयन, शहरी क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा सहायता के लिए शहरी पॉलीक्लिनिक की स्थापना, विशेषज्ञ सेवाओं की उपलब्धता के कार्य किए जाएंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती रेणुजी पिल्ले, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य डॉ. मनिन्दर कौर द्विवेदी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

### जिले मे कानून व शांति व्यवस्था का तंत्र होगा मजबूत

**सूरजपुर।** जिले में सुरक्षातंत्र को मजबूत करने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल की उपस्थिति में प्रशासन और पुलिस की महत्वपूर्ण बैठक संम्पन्न हुई। इस बैठक में सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, एसडीओपी, तहसीलदार एवं समस्त थाना प्रभारी एवं सड़क सुरक्षा प्रभारी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने जिले में सुरक्षातंत्र को मजबूत कर शांति व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु विभिन्न निर्देश दिए। जिसमे कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने कहा कि राज्य शासन की मंशानुसार जिले में शांति व्यवस्था एवं सद्भावना बनाए रखने के लिए प्रशासन एवं पुलिस को प्रभावी समन्वय बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है।

# कलेक्टर पहुंचे टिकरापारा-पुरानी बस्ती, स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों का लिया जायजा, साफ सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार आज नगर निगम के अधिकारियों के साथ अलसुबह शहर के टिकरापारा-पुरानी बस्ती इलाके में पहुंचे। उन्होंने इन इलाकों में स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के लिए नगर निगम द्वारा की गई तैयारियों का मौके पर जायजा लिया। कलेक्टर ने टिकरापारा, पुरानी बस्ती और भाठागांव के अंतराज्जीय बस अड्डे में साफ-सफाई का मौका निरीक्षण किया।

उन्होंने सड़कों की सफाई के साथ-साथ डिवाइडरों की भी सफाई और रंगाई-पोताई करने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि इस वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण में रायपुर नगर निगम क्षेत्रों को प्रथम स्थान दिलाने का लक्ष्य निर्धारित कर सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में निर्धारित मापदण्डों पर खरा उतरने के लिए सभी प्रकार के प्रयास किए जाए और जन सहयोग भी लिया जाए।

कलेक्टर सौरभ कुमार ने आज सुबह सुबह के अपने निरीक्षण के दौरान सड़कों के किनारे लगे और डिवाइडरों पर लगे खंबों में अवैध रूप से लगाए गए कट आउट, बैनर, पोस्टर- फ्लैक्स भी हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने टिकारापारा के सुलभ शौचालय में भी जाकर सफाई व्यवस्था देखी।

उन्होंने सुलभ शौचालय में नियमित सफाई रखने और नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सौरभ कुमार ने अंतराज्जीय बस अड्डे का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बस अड्डे के सभी ब्लॉकों और हिस्सों में साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बस अडडे में यात्री बसों को निर्धारित जगहों पर ही खड़ा करने और यात्रियों की सुविधाओं का ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई के लिए बस अड्डे में जगह-जगह डस्टबिन रखवाने और हर रोज सुबह इन डस्टबिनों से कचरा उठवाने की नियमित व्यवस्था करने के निर्देश भी नगर निगम के अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने घरो, दुकानों से निकलने वाले कचरे को नालियों या सार्वजनिक स्थानों पर डालने से लोगों को रोकने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया।

उन्होंने डोर टू डोर कचरा संग्रहण को बढ़ावा देने और खुले में कचरा फेंकने वाले लोगों को रोकने टोकने को भी कहा। सौरभ कुमार ने नाले-नालियों की प्रतिदिन सफाई करने और वहा से निकले कचरे को तत्काल उठाने की व्यवस्था की निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौराण प्रभारी आयुक्त अभिषेक अग्रवाल, अपर आयुक्त सुनील चंद्रवंशी सहित नगर निगम के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी भी मौजुद रहे।

# एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम अंतर्गत अंतर विभागीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

### 21 मार्च से एनीमिया मुक्त रायपुर सप्ताह का किया जाएगा आयोजन

रायपुर। कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में आज यहां एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम अंतर्गत अंतर विभागीय समन्वय एवम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। देश को एनिमिया मुक्त करने सरकार कई योजनाओं के तहत कार्यक्रम चला रही है।

भारत में 17 जुलाई से एनिमिया मुक्त भारत बनाने अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत गांव-गांव जाकर 5 वर्ष तक के बच्चों और 15 से 49 आयु वर्ग की महिलाओं की रक्त जांच की जाएगी और एनिमिक पाए जाने पर उन्हें जरूरी उपचार दिया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मीरा बघेल ने बताया कि 21 मार्च नेशनल एनिमल डे से रायपुर जिले में एनीमिया मुक्त रायपुर सप्ताह मनाया जाएगा। जिसमें मिड डे मील में आयरन रिच फूड का समायोजन, स्कूलों में आयरन रिच लंच बॉक्स, पोस्टर प्रतियोगिता, शिविर आदि का आयोजन किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एनीमिया बहुत से कारणों से हो सकता है किंतु हमारे देश में इसका सबसे बड़ा कारण है पौष्टिक आहार में कमी, इसके अलावा इस रोग का एक और बड़ा कारण है पेट में कीड़ों का हो जाना। यह कीड़े प्रदूषित जल और खाद्य पदार्थ द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं और शरीर में आयरन की कमी होने पर खून में कमी होती है। खून में कमी होने पर हमें डाइट में पालक, टमाटर, चुकंदर, सेब, अनार आदि का प्रयोग करना चाहिए।

करोना कॉल में स्कूल बंद होने के कारण बच्चों को वीकली गोली नही उपलब्ध हो पाया था जिससे एनीमिया के केस में वृद्धि हुई। इस संबंध में आज की समन्वय बैठक में निर्णय लिया गया की महिला एवम बाल विकास विभागऔर स्कूल शिक्षा विभाग में जितने भी टैब की जरूरत है, उसकी पूर्ति स्वास्थ विभाग के द्वारा किया जायेगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मीरा बघेल, डॉ स्मृति देवांगन, डॉ निकिता पवार, निशामणि साहू, पिलाराम कुम्हार, डॉ पंकज, अनुराधा, नेहा निर्मलकर, गजेंद्र डोंगरे सहित शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए।

उल्लेखनीय है मार्च 2018 से पोषण अभियान का शुरुआत किया गया था। उसका मुख्य उद्देश्य एनीमिया की संख्या में कमी लाना है एवं एनीमिया के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करना है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नीति आयोग ने पोषण अभियान एवं राष्ट्रीय पोषण रणनीति को बनाया था। एनीमिया मुक्त भारत की संरचना बच्चों, वयस्कों एवं महिलाओं (आयु 15-49 वर्ष) में एनीमिया की दर में प्रति वर्ष 3 प्रतिशत की कमी साल (2018 से 2022) तक लाने निर्धारित कि गयी थी।

## पुलिस ने किया शिवम कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अभिव्यक्ति ऐप का प्रचार प्रसार

**गरियाबंद।** राज्य की महिलाओं की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री ने अभिव्यक्ति ऐप लांच किया है। इस ऐप को छत्तीसगढ़ के पुलिस विभाग द्वारा तैयार किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार के अभिव्यक्ति ऐप के माध्यम से राज्य की महिलाओं को तत्काल सहायता मिलेगी।

यूजर की लोकेशन के हिसाब से एसओएस बटन दबाते ही यूजर के पास त्वरित पुलिस सहायता पहुंचेगी। इसके अलावा इस ऐप के माध्यम से महिलाएं कहीं से भी अपनी शिकायत पुलिस के पास दर्ज करा सकेंगी। यानी अब महिलाओं को थाने जाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा राज्य की महिलाएं अब अपनी सुरक्षा को लेकर सुझाव भी पुलिस विभाग तक पहुंचा सकेंगी।पुलिस अधीक्षक गरियाबंद जेआर.ठाकुर के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रेश ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी गरियाबंद पुष्पेंद्र नायक के निर्देशन में महिला सुरक्षा टीम प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक गरियाबंद सुश्री निशा सिन्हा के द्वारा जिले में अभिव्यक्ति ऐप का व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा। इसी कड़ी में आज *शिवम कॉलेज ऑफ नर्सिंग गरियाबंद*में अभिव्यक्ति ऐप का प्रचार प्रसार किया गया। इस ऐप के इस्तमाल के लिए सबसे पहले महिलाओ को अपने मोबाईल फोन में प्ले स्टोर से अभिव्यक्ति ऐप डाउनलोड करना है, जिसमें उन्हें साईन इन करना है, अपना मोबाईल नंबर डालना है, ओटीपी आयेगा उसे ऐप में डालना है, केवायसी अपडेट करना है।

### बच्चों की लर्निंग लॉस को पूरा करने और बेहतर विद्यालय प्रबंधन के लिए अकादमिक निरीक्षण जरूरी

# बच्चों की उपलब्धि स्तर बढ़ाने 100 दिनों का रोडमैप तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। लॉक डाऊन की वजह से बच्चों की पढ़ाई पर हुए असर को कम करने एवं वांछित उपलब्धि स्तर को प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन के स्कूली शिक्षा विभाग ने कवायद शुरू कर दिया है। प्रमुख सचिव डॉ.आलोक शुक्ला के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग ने विविध नवाचारी शिक्षा मॉडल एवं गतिविधियों के माध्यम से बच्चों मे हुई लर्निंग लॉस को कम करने और निर्धारित उपलब्धि स्तर प्राप्त करने के लिए रोडमैप तैयार कर जमीनी स्तर पर साकार करने जुट गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बुनियादी शिक्षा और गणितीय कौशल विकास अंतर्गत कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों को दक्ष बनाने के लिए सौ दिवसीय विशेष अभियान की शुरुआत किया गया है।

प्रदेश के तमाम सरकारी विद्यालयों मे अध्ययनरत बच्चों की पढ़ाई पर हुए प्रतिकूल प्रभाव के देखते हुए इन दिनों स्कूल शिक्षा विभाग विभिन्न नवाचारी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में शैक्षिक गुणवत्ता और उपलब्धि स्तर प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। शिक्षा गुणवत्ता में आवश्यक सुधार कसावट के साथ-साथ बेहतर विद्यालय प्रबंधन के लिए इस बार अकादमिक निरीक्षण के बेहतर क्रियान्वयन को भी प्रमुखता दिया जा रहा है। इसी अनुक्रम में आज राज्य परियोजना कार्यालय रायपुर द्वारा एक महत्वपूर्ण वेबीनार का आयोजन किया गया। उक्त वेबीनार मे शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ.आलोक शुक्ला, प्रबंध संचालक नरेंद्र दुग्गा ने अकादमिक मॉनिटरिंग एवं बच्चों की उपलब्धि स्तर के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दिए। डॉ.आलोक शुक्ला ने कोरोना काल में हुए लर्निंग लॉस को कम करने एवं निर्धारित उपलब्धि स्तर को प्राप्त करने के लिए नवाजतन और एससीईआरटी के द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न नवाचारी गतिविधियों को शत-प्रतिशत विद्यालय स्तर पर साकार करने निर्देशित किया गया। डॉ.शुक्ला ने शत-प्रतिशत बच्चों के वास्तविक आंकलन के निर्देश दिया जिससे बच्चों का आगामी समय में समग्र विकास हो सके। उन्होंने अकादमिक मॉनिटरिंग के लिये निर्धारित बिंदुओं का जमीनी स्तर पर प्राथमिकता से आंकलन करने को कहा ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने के साथ बेहतर विद्यालय प्रबंधन को सुनिश्चित किया जा सके। डॉ.शुक्ला ने सभी विद्यालयों तक किलोल पत्रिका की उपलब्धता एवं सदस्यता लेने सुनिश्चित करने को कहा। वेबिनार के दौरान संचालक समग्र शिक्षा श्री नरेंद्र दुग्गा ने शत-प्रतिशत शालाओं की बिंदुवार मॉनिटरिंग कर वास्तविक जानकारी की प्रवष्टि ऑनलाइन करने एवं समग्र शिक्षा से प्राप्त विभिन्न मदों की राशि समय सीमा में खर्च करने जे निर्देश दिए।

ज्ञात हो वर्तमान में जिले में कोरोना प्रभाव कम होने के कारण 08 फरवरी 22 से स्कूल प्रारंभ कर दिए गए है। शाला प्रारम्भ होने के बाद शालाओं में कसावट लाने के उद्देश्य से सभी स्कूलों को सघन मॉनिटरिंग करने के निर्देश राज्य शासन से दिए गए है।

जिसके लिए छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 27 बिंदुओं का मूल्यांकन प्रपत्र तैयार किया गया है। जिसमें 100 अंकों के आधार पर सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों की मॉनिटरिंग सघनता पूर्वक राज्य से संकुल स्तर तक के सभी निरीक्षणकर्ता अधिकारी यथा सहायक संचालक,संकुल प्राचार्य एवं सीएसी सतत् निरीक्षण करेंगे एवं निरीक्षण कर इसकी ऑनलाइन एंट्री भी की जाएगी।

# उद्योग मंत्री लखमा ने भूमकाल स्मृति दिवस पर शहीदों को किया याद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग एवं दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा ने आज ग्राम पंचायत गढ़मिरी में भूमकाल के महानायकों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। मंत्री श्री लखमा ने भूमकाल स्मृति दिवस की 112वीं वर्षगांठ के अवसर पर सर्वआदिवासी समाज द्वारा आयोजित क्रांतिकारी शहीद वीर कवासी रोडा पेदा के बलिदान को स्मरण किया गया।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के विरूद्ध आदिवासी समाज के महानायकों ने भी स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लेते हुए अपने परंपरागत अस्त्र-शस्त्रों से लड़ाई लड़ी और शहीद हुए हैं। श्री लखमा ने कहा कि भूमकाल के आंदोलन के दौरान अब तक शासकीय रिकार्ड में 51 शहीदों के नामों का पता चला है। उन्होंने सर्वप्रथम गढ़मिरी में क्रांतिकारी वीर कवासी रोडा पेदा के मूर्ति का माल्यार्पण व सेवा अर्जी, विधि विधान के साथ शहीद स्थल गढ़मिरी में श्रद्धांजलि दी।

शहीद कवासी रोडा पेदा के नाम को आदिवासी समाज आगे बढ़ाएगा। ग्राम पंचायत गढ़मिरी भूमकाल स्मृति दिवस का आयोजन समाज के लोग ही तय करेंगे ताकि आगे चलकर बड़े आयोजन किए जा सके। इस अवसर पर जिले के धुरवा, कोया, गोंड, मुरिया, भतरा, हल्बा, महारा, धाकड़ समाज सहित अन्य समाज के लोगों ने अपनी सहभागिता दी।

## दिव्यांगों को व्हील चेयर एवं श्रवण यंत्र मिलने से उनके चेहरे में आई मुस्कान

**महासमुंद ।** समाज कल्याण विभाग के उप संचालक संगीता सिंह ने बताया कि कृत्रिम सहायक अंग वितरण अंतर्गत विभिन्न जनपद पचांयतों एवं जिला मेडिकल बोर्ड में आयोजित शिविर तथा जिला चिकित्सालय में मितानिनों के द्वारा चिन्हांकित दिव्यांगजनों को समाज कल्याण विभाग द्वारा कृत्रिम अंग सहायक उपकरण प्रदाय किया गया। इनमें 05 दिव्यांगजनों को व्हील चेयर एवं एक दिव्यांग को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया।

## खास खबर

### अदम्य साहस के प्रतीक वीर गुंडाधुर समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगेः राज्यपाल

**रायपुर।** राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने भूमकाल स्मृति दिवस के अवसर पर जननायक वीर गुंडाधुर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने आदिवासियों को तत्कालीन दमनकारी और शोषणकारी सत्ता के खिलाफ संगठित किया और वे अमर हो गए। उन्होंने समाज में अपनी कार्यों से जागरूकता लाई। वीर गुंडाधुर अदम्य साहस के प्रतीक हैं और वे सदा समाज को प्रगति की ओर प्रशस्त करने की प्रेरणा देते रहेंगे। राज्यपाल ने कहा कि भूमकाल विद्रोह इतना प्रबल था कि उसे कुचलने के लिए ब्रिटिश सरकार ने बड़ी संख्या में सैनिकों को भेजा जिनका बस्तर के आदिवासियों ने अपने पारंपरिक हथियारों से साहस के साथ सामना किया। गुंडाधुर ने इस आंदोलन ने समाज में एक जागृति पैदा कर दी और इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर भी हुआ। आज से लगभग 111 वर्ष पूर्व बस्तर क्षेत्र में आदिवासियों ने जननायक गुंडाधुर के नेतृत्व में भूमकाल आंदोलन की हुंकार भरी थी।

### स्कूल शिक्षा विभाग में स्थानांतरण के लिए अब ऑनलाईन आवेदन अनिवार्य

**रायपुर।** स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सभी स्थानांतरण अब एनआईसी द्वारा निर्मित वेबसाईट के माध्यम से होंगे। स्वैच्छिक स्थानांतरण चाहने वाले व्यक्तियों को ऑनलाईन आवेदन करना होगा। इसके बाद यदि वे चाहें तो इस आवेदन को प्रिंट करके कागज पर भी प्रेषित कर सकते हैं। ऑनलाईन आवेदन नहीं किए जाने की स्थिति में केवल कागज पर किए गए आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा आज इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि प्रशासनिक स्थानांतरण की एण्ट्री संचालनालय लोकशिक्षण द्वारा एनआईसी की वेबसाईट पर की जाएगी तथा उससे निकाले गए प्रिंट को ही फाईल पर लगाकर प्रेषित किया जाएगा। बिना वेबसाईट में एण्ट्री किए कोई प्रशासनिक स्थानांतरण भी नहीं किया जाएगा। स्थानांतरण आदेश भी एनआईसी के वेबसाईट के माध्यम से ही जारी होंगे। संबंधित कर्मचारियों के कार्य मुक्ति और नए स्थान पर ज्वाईनिंग भी एनआईसी की वेबसाईट के माध्यम से ही की जाएगी।

### बोर्ड परीक्षा के लिए इस बार 6787 परीक्षा केन्द्र

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की मुख्य परीक्षा इस बार 6787 परीक्षा केन्द्रों में होगी। कोविड-19 के मद्देनजर इस वर्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल की मुख्य परीक्षा 2022 के लिए मान्यता प्राप्त सभी स्कूलों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है, ताकि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके। प्रदेश में मंडल से मान्यता प्राप्त 6787 स्कूल है। अत: इस वर्ष कुल 6787 परीक्षा केन्द्र होंगे। जो नियमित छात्र जिस स्कूल में अध्ययनरत् है, उसी स्कूल में उन्हें परीक्षा में सम्मिलित होना है। स्वाध्यायी छात्रों ने जिस स्कूल से अपना परीक्षा फार्म परीक्षा फार्म अग्रेषित कराया है, वे उसी स्कूल में स्वाध्यायी छात्र के रूप में परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

# राज्यपाल ने राज्य वीरता पुरस्कार प्राप्त बच्चों को 21-21 हजार की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की

सुश्री उइके से बहादुर बच्चों ने भेंट की

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके, नन्हे बहादुर बच्चों की वीरता और सूझबूझ से काफी प्रभावित हुई और उन्हें अपनी ओर से 21-21 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। सुश्री उइके से राजभवन में राज्य वीरता पुरस्कार प्राप्त बच्चों ने मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को रजत पदक, प्रशस्ति पत्र तथा 15-15 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। यह राशि छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा वर्ष 2020 और वर्ष 2021 के लिए वीरता पुरस्कार हेतु चयनित 5 बच्चों को दिया गया।

राज्यपाल सुश्री उइके को बच्चों ने अपनी सूझबूझ के किस्से विस्तार से सुनाए। राज्यपाल ने उन्हें इसके लिए शाबासी दी। राज्यपाल ने कहा कि बच्चों ने इतनी कम उम्र में ही अपनी सतर्कता से लोगों की जिंदगियां बचाई है, जो बहुत ही प्रेरणादायी है। राज्यपाल सुश्री उइके ने बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर बच्चों के अभिभावक, छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद् के उपाध्यक्ष चंद्रेश शाह और महासचिव डॉ. अशोक त्रिपाठी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद् द्वारा प्रतिवर्ष साहसिक कार्य करने वाले राज्य के बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है। वर्ष 2020 के लिए परिषद् द्वारा उन्नति शर्मा, जान्हवी राजपूत, दुर्गेश सोनकर तथा वर्ष 2021 के लिए अमन ज्योति जाहिरे व शौर्य प्रताप चंद्राकर को वीरता पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है।

वर्ष 2020 में वीरता पुरस्कार के लिये चयनित रायपुर के टिकरापारा की रहने वाली 12 वर्षीय उन्नति शर्मा के मामा के घर में आग लग गई थी। आग लगने के दौरान उसका छोटा भाई घर पर था, उन्नति ने समझदारी दिखाते हुए घर में विद्युत आपूर्ति बंद कर दी और अपने भाई को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वर्ष 2020 में ही चयनित धमतरी की रहने वाली 13 वर्षीय जान्हवी राजपूत ने करंट की चपेट में आए अपने छोटे भाई की न केवल जान बचाई बल्कि उसे छत से गिरने से भी रोक लिया। इसी प्रकार वर्ष 2020 में चयनित दुर्ग के 11 वर्षीय दुर्गेश सोनकर ने साहस का परिचय देते हुए हमलावरों से अपने तीन छोटे भाई-बहनों की जान बचाई। साथ ही निडरता के साथ पुलिस का सहयोग कर अपने परिजनों के हमलावरों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2021 में वीरता पुरस्कार के लिए चयनित कोरबा के 15 वर्षीय अमन ज्योति जाहिरे ने अपनी जान खतरे में डालकर जलप्रपात में बह रहे अपने मित्र की जान बचाई। इसी तरह 2021 में चयनित धमतरी के रहने वाले 13 वर्षीय शौर्य ने खेत में बिजली के तार गिरने की संभावना को देखते हुए वहां काम कर रहे लोगों को सचेत किया और तत्काल विद्युत विभाग में सूचना देकर विद्युत आपूर्ति बंद करवाई। शौर्य के इस कदम से खेत में काम कर रहे 10 लोगों की जान बच सकी।

### राज्यपाल सुश्री उइके राजिम माघी पुन्नी मेला के लिए आमंत्रित

**रायपुर।** राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से राजभवन में गरियाबंद जिले की कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने मुलाकात कर इस माह में आयोजित होने वाले राजिम माघी पुन्नी मेला के लिए आमंत्रित किया। राज्यपाल ने मेला की तैयारियों की जानकारी ली और मेला आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कोविड प्रोटोकॉल के तहत आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर गरियाबंद जिले के पुलिस अधीक्षक जेआर ठाकुर भी उपस्थित थे।

### सबके लिए आवास मिशन अंतर्गत राज्य में 12 हजार 60 आवास स्वीकृत

# बुकिंग की प्राथमिकता के आधार पर हितग्राहियों को करें आवास आबंटनः मुख्य सचिव अमिताभ जैन

### राज्यस्तरीय स्वीकृति और निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन (शहरी) की राज्य स्तरीय स्वीकृति और निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव जैन ने कहा कि राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति द्वारा राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन (शहरी) के तहत 12 हजार 60 आवासों के निर्माण का अनुमोदन किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को योजना के तहत आवासों की बुकिंग को आबंटन के लिए प्राथमिकता का आधार निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि जिन हितग्राहियों ने पहले आवास बुक कराए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आवास आबंटित किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में सबके लिए आवास मिशन (शहरी) आवास के अंतर्गत 12060 आवासों का निर्माण 374 करोड़ 93 लाख 12 हजार रूपए की लागत से कराया जाएगा। प्रत्येक आवास की लागत 3.05 लाख रूपए होगी। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत रियायती दर पर किराए के मकान, हितग्राही द्वारा स्वयं आवास का निर्माण, भागीदारी में किफायती आवास निर्माण सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में सचिव नगरीय प्रशासन विभाग अलरमेल मंगई डी., सचिव राजस्व एनएन एक्का, नया रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अयाज तम्बोली, राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौमिल रंजन चौबे उपस्थित थे।

# कलेक्टर ने सर्वाजनिक गतिविधियों पर अधिरोपित प्रतिबंधो में छूट प्रदान करते हुए जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

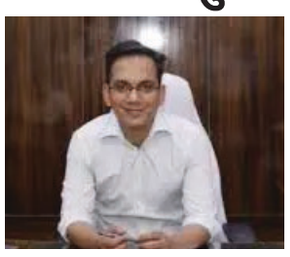

**रायपुर।** कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रायपुर सौरभ कुमार ने पूर्व में जारी आदेश के तहत रायपुर जिला अन्तर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र में अन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध अधिरोपित किये थे। उन्होंने वर्तमान में कोविड-19 प्रकरणों में लगातार कमी होने के फलस्वरुप सार्वजनिक गतिविधियों पर अधिरोपित प्रतिबंधों में छूट प्रदान करते हुए आज 10 फरवरी को नया आदेश जारी किया है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, बेकरी आईट्म, फूड कोर्ट एवं अन्य खाद्य संबंधी प्रतिष्ठान अधिकतम रात्रि 12 बजे तक संचालित होगें। नगर निगम एवं अन्य नगरीय निकाय सीमा क्षेत्र के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग अथवा मुख्य सडक मार्ग में स्थित ढाबे रात्रि 12 बजे के बाद भी ट्रक, बस एवं अन्य परिवहन वाहनों के लिए संचालित हो सकेगें। रायपुर जिला अंतर्गत समस्त प्रकार के धरना, रैली एवं जुलूस आयोजित किया जाना प्रतिबंधित रहेगा। धार्मिक, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम (विवाह एवं दशगात्र इत्यादि) में छत्तीसगढ़ शासन के आदेश के अनुसार कार्यक्रम स्थलों पर अधिकतम क्षमता के 50 प्रतिशत की अनुमति होगी तथा 100 से 200 व्यक्तियो के सम्मिलित होने की स्थिति में एक दिन पूर्व निकटतम थाना/जोन कार्यालय/नगरीय निकाय को सूचना दिया जाना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम में 200 से अधिक व्यक्तियों की उपस्थिति होने की दशा में जिला कलेक्टर की लिखित पूर्वानुमति अनिवार्य होगी। सार्वजनिक स्थलों में फिजिकल डिस्टेंसिंग के साथ मास्क का उपयोग किया जाना अनिवार्य होगा। उल्लंघन की दशा में राज्य शासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार निर्धारित अर्थदण्ड अधिरोपित किया जा सकेगा। उक्त निर्देश का पालन करने हेतु तहसीलदार, नायब तहसीलदार, नगर निगम, थाना अधिकृत होंगे। अर्थदण्ड देने से इंकार करने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

रायपुर जिले अंतर्गत सभी मॉल, जिम, सिनेमाघर, ऑडिटोरियम, लाईब्रेरी, स्वीमिंग पूल एवं अन्य आयोजन स्थलों को आगामी आदेश तक 50 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित किया जा सकेगा। रायपुर रेल्वे स्टेशन, अंतर्राज्यीय बस स्टैण्ड एवं एयरपोर्ट पर राज्य के बाहर से आने वाले यात्रियों के द्वारा कोविड के दोना डोज के टिकाकरण का प्रमाण पत्र दिखाये जाने पर 72 घंटे पूर्व का कोरोना टेस्ट आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट दिखाने की अनिवार्यता को समाप्त किया गया है।

# राज्य में विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए अकादमिक निरीक्षण व्यवस्था लागू होगी

### राज्य स्तर से संकुल स्तर और शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों को स्कूल निरीक्षण की जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राज्य में विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए अकादमिक निरीक्षण की व्यवस्था लागू की जाएगी। राज्य स्तर से लेकर संकुल स्तर तक इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी। समग्र शिक्षा द्वारा आज वेबीनार के माध्यम से आकादमिक निरीक्षण के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। यह व्यवस्था राज्य में कोविड लॉकडाउन के बाद विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में आई गिरावट में सुधार लाने की दृष्टि से लागू की जा रही है। अकादमिक मॉनिटरिंग के लिए 26 बिन्दुओं का निर्धारण किया गया है, जिसे 100 अंकों में बांटा गया है। इसके साथ ही अकादमिक निरीक्षण सिस्टम के क्रियान्वयन के लिए चेक लिस्ट और समय-सीमा भी निर्धारित की गई है।

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला ने सभी प्रतिभागियों को कोरोना काल में स्कूल लॉकडाउन के दौरान शिक्षकों द्वारा बच्चों की पढ़ाई निरंतर जारी रखने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी से निरीक्षण में सभी बिन्दुओं पर सही जानकारी भरे जाने पर जोर दिया। डॉ. शुक्ला ने निरीक्षण के दौरान वर्तमान स्थिति में सुधार की दिशा में सतत् प्रयास करने की दिशा में काम करने का आव्हान किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्कूली विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार कर फोकस कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इस बेवीनार में राज्य, जिला, विकासखण्ड स्तरीय कार्यालयों, संकुल समन्वयक उपस्थित थे। बेवीनार को प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा नरेन्द्र दुग्गा और अतिरिक्त मिशन संचालक काबरा ने भी संबोधित करते हुए जानकारी दी। एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी संचालक सोम शेखर द्वारा निरीक्षण के टुल को दर्ज करने की तकनीकी जानकारी से अवगत कराते हुए प्रत्येक टुल पर विस्तार से चर्चा की।

इस नई व्यवस्था की विशेषता होगी कि निरीक्षण के लिए राज्य स्तर से संकुल स्तर एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों को जिम्मेदारी और स्कूल आबंटन किया जाएगा। विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार और उनसे संबंधित मुख्य बिन्दुओं पर ही फोकस किया जाएगा। परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स से जुड़े कुछ जमीनी स्तर के पहलुओं को भी शामिल किया जाएगा। वर्चुअल और प्रत्येक्ष दोनो प्रकार से निरीक्षण किए जाने की सुविधा दी जाएगी। एनआईसी के सहयोग से इसे ऑनलाईन और आसान बनाया जाएगा। जमीनी स्तर पर शिक्षकों द्वारा किए जा रहे विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए किए जाने वाले नवाचारी कार्यों को ढूंढने और उन्हें प्रोत्साहित करने का काम किया जाएगा। जिले में बेहतर कार्यों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर त्वरित फॉलोअप की व्यवस्था की जाएगी। सभी स्तर की अधिकारियों और शाला प्रबंधन सिमिति को तत्काल उन्मुखीकरण कार्यक्रम में शामिल कर निरीक्षण प्रणाली से परिचित करवाया जाएगा। सभी स्तर पर निरीक्षण रिपोर्ट और उस पर की गई कार्रवाई का रिपोर्ट देखने की सुविधा दी जाएगी। राज्य में प्राथकिताओं के आधार पर टूल के कुछ बिन्दुओं में परिवर्तन किए जाने की सुविधा दी जाएगी।

### विभिन्न स्तर पर निरीक्षण के लिए लक्ष्य

राज्य स्तर के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों को जिले आबंटित किए जाएंगे। जिनमें वे प्रतिमाह कम से कम 5 स्कूलों का प्रत्यक्ष अथवा ऑनलाईन निरीक्षण करेंगे। जिला स्तर के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी अपने निर्धारित विकासखण्ड की कम से कम 5 स्कूलों का प्रतिमाह वर्चुअल भ्रमण एवं कम से कम दो स्कूलों का अकादमिक निरीक्षण प्रतिमाह करेंगे। विकासखण्ड स्तर के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी अपने निर्धारित क्षेत्र के शाला संकुलों की कम से कम 20 स्कूलों का प्रतिमाह अकादमिक निरीक्षण करेंगे। शाला संकुल प्राचार्य अपनी शाला संकुल की कम से कम 50 प्रतिशत स्कूलों का प्रतिमाह अकादमिक निरीक्षण करेंगे। संकुल स्त्रोत केन्द्र समन्वयक अपने स्कूल में नियमित अध्यापन के साथ-साथ संकुल के सभी स्कूलों का माह में कम से दो बार अवश्य अकादमिक निरीक्षण करेंगे। शाला प्रबंधन समिति के सदस्य प्रतिमाह कम से कम 5 दिन अपने स्कूल में निरीक्षण कर स्कूल में सुधार के लिए आवश्यकताओं का और बच्चों की सीखने की स्तर की पड़ताल करेंगे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

# 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' में शामिल होंगे फॉक्स कैरेक्टर्स, डेडपूल निर्माता ने की पुष्टि

मार्वल की आगामी फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' रिलीज के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म मई 2022 में सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। इस फिल्म को मार्वल यूनिवर्स की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म माना जा रहा है। क्योंकि इस फिल्म में फॉक्स कैरेक्टर्स की भी एंट्री होने वाली है।

बेनेडिक्ट कंबरबैच अभिनीत ब्लॉकबस्टर फिल्म में गैर-एमसीयू फिल्मों में दिखाई देने वाले लोकप्रिय कॉमिक बुक पात्रों के शामिल होने की अफवाहें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहीं हैं। वहीं अब डेडपूल निर्माता और प्रसिद्ध कॉमिक बुक कलाकार रॉब लिफेल्ड ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मार्वल डॉक्टर स्ट्रेंज सीक्वल में एक टन कैमियो जोड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

क्रिस्टियन हार्लोफ के साथ 'द बिग थिंग्स' पॉडकास्ट के एक एपिसोड के दौरान, जब लिफेल्ड से आने वाले एमसीयू प्रोजेक्ट और इसके कैमियो के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि मार्वल वर्तमान में प्राइवेट स्क्रीनिंग में लोगों को फिल्म दिखाकर उसका परीक्षण कर रहा है। हालांकि, लिफेल्ड ने इस तथ्य पर भी खेद व्यक्त किया कि इन प्राइवेट टेस्ट स्क्रीनिंग ने फिल्म के बारे में बहुत सारी अफवाहों को जन्म दिया है।

# फिल्म फेस्टिवल्स में पहले फॉक्स और वॉर्नर ब्रदर्स की फिल्मों का दबदबा था, अब अमेजन नेटफ्लिक्स की फिल्मों का हैः अनंत महादेवन

एक्टर और फिल्म मेकर अनंत महादेवन का दावा है कि दुनिया के प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल्स में अवॉर्ड जीतना सिर्फफिल्म की क्वॉलिटी और डायरेक्टर के टैलेंट पर डिपेंड नहीं करता है। जीत के लिए फेस्टिवल्स के ज्यूरी मेंबर्स के बीच संपर्क और पैठ होना भी बहुत जरूरी है। नेशनल अवॉर्ड विनर अनंत महादेवन ने बताया कि यही वजह है, जो पहले इन फेस्टिवलों में जहां हॉलीवुड की एमजीएम और वॉर्नर ब्रदर्स जैसी फिल्मों का दबदबा था, वहीं अब आज की तारीख में अमेजन और नेटफ्लिक्स का दबदबा है। दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने ज्यूरी मेंबर्स के बीच के संपर्क और सबंधों पर खुलकर चर्चा की।

### कान, सनडांस, बर्लिन, ऑस्कर जैसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और अवॉर्ड समारोहों में ज्यूरी तक अपनी फिल्म पहुंचा पाना कितना बड़ा टास्क है?

बहुत ज्यादा मुश्किल है। भारत की ज्यादातर फिल्मों को वहां अक्सर सीरियसली लिया नहीं जाता। जब तक आप के पास वहां की ज्यूरियों में पीआर और कनेक्शन न हों तो वहां कोई आपको पहचानेगा भी नहीं। दुख की बात तो यह है कि अमूमन वो बिरादरी हमारी फिल्में देखती ही नहीं। उन्हें साइड में रख देते हैं। फिर आप को एक मेल आ जाता है कि हमने तो आप की फिल्म देखी।

अफसोस है कि हमारे पास दो हजार के पास एंट्रीज है। दुख है कि हम आप की फिल्म नहीं ले पाए। ऐसा खासतौर पर कान, वेनिस, टोरंटो और बुसान फिल्म फेस्टिवल्स में होता है। हालांकि पिछले साल बुसान में मेरी फिल्म सिलेक्ट तो हुई। एक ए लिस्ट फिल्म फेस्टिवल में मेरी फिल्म को छोटी सी एंट्री तो मिली। लोग मेरे काम को जानने लगे हैं, मगर सिर्फ ज्यूरी मेंबर्स को दोष देना सही नहीं। हमारे यहां बहुत फिल्में भी वैसी ही बनती हैं।

### नेटवर्क का नतीजा है, जो अनुराग कश्यप जैसे नेटवर्क के माहिर मेकर्स की फिल्में ए लिस्ट फेस्टिवल्स में ज्यूरी तक पहुंच जाती हैं? यह कितना कड़वा सच है?

बिल्कुल कड़वा सच ही है। अगर आप की नेटवर्किंग है तो आपकी फिल्म कंप्लीट होना बाकी है तब भी फेस्टिवल्स में वो सेलेक्ट हो जाती है। जिनकी नेटवर्किंग नहीं है और अगर उनकी फिल्म कंप्लीट भी है तो वह सेलेक्ट नहीं हो पाती। तो इस तरह का अनफेयर एडवांटेज कुछ लोगों को तो है।

### जैसे अनुराग कश्यप?

मैं नाम तो नहीं लेना चाहूंगा, पर सब जानते हैं कि नेटवर्किंग वाली रेस में कौन मेकर्स आगे हैं? प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल्स में यह होता है कि नेटवर्किंग में माहिर इंसान आप नहीं हैं तो मेरिट वाली फिल्में अवॉर्ड तो दूर नॉमिनेशंस में भी नहीं आ पातीं। फिर आप सोचते हैं कि कैसे फिल्म तक पहुचं गई।

### जैसे आप की गौर हरि दास्तान भी वहां महरूम रह गई थी?

जी हां। मैं हर साल एक फिल्म तो उन फेस्टिवल्स में भेजता हूं। हर साल यही जवाब आता रहा है कि हम इस साल जगह नहीं दे पाएंगे। वहीं आप किसी कनेक्शन के थ्रू जाएंगे तो तवज्जो आपके कनेक्शन को दिया जाएगा, न कि आपकी फिल्म की क्वॉलिटी को। यकीनन जब इंडिया में मेरी फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला था तो बहुत खुशी मिली थी, पर उन फेस्टिवलों में मेरिट को साइड किया जाता है तो दुख होता है।

### कनेक्शन वाली बात इस चीज से भी साबित होती है कि ऑस्कर में नेटफ्लिक्स की फिल्मों का दबदबा बढ़ा है?

इस तरह की परंपरा पहले भी थी। पहले एमजीएम, फॉक्स, वॉर्नर ब्रदर्स जैसे स्टूडियोज का दबदबा था। उनकी फिल्में ऑस्कर्स में रसूख रखती थीं। आज नेटफ्लिक्स और अमेजन मेजर स्टूडियोज हैं, जिनकी फिल्मों का दबदबा बढ़ा है। हालांकि इसका मतलब यह भी नहीं है कि उनकी ऐवरेज फिल्में भी नॉमिनेशंस और अवॉर्ड हासिल कर लेती हैं। वो मास में फिल्में बना रहें हैं। उनमें दो तीन ऑस्कर के लायक होती हैं। इन दोनों स्टूडियोज का पावरफुल होल्ड ऑस्कर से लेकर दुनियाभर के फिल्म फेस्टिवलों में हो चुका है।

### यानी दोनों प्लेटफॉर्म ज्यूरी को इनफ्लुएंस करने में सफल हो जाते हैं?

ऐसा कहना कंप्लीटली सही नहीं है। जैसे नेटफ्लिक्स की 'द पॉवर ऑफ द डॉग' अच्छी फिल्म है। ऐसा नहीं है कि वह सिर्फ इनफ्लुएंस लेवेल पर सेलेक्ट हुई हैं। लेकिन एक नया ट्रेंड दिख रहा है। ऑस्कर या कांस में जो फिल्मों की क्वॉलिटी पहले होती थी, वह पांच सालों में रही नहीं है। पांच साल पहले जो ऑस्कर या कांस में सिलेक्टेड फिल्में होती थीं, वो कलेक्टर आयटम हुआ करती थीं। उनकी सीडी या ब्लू रे वर्जन हम लोग संभाल कर रखते थे। आज भी बहुत अच्छी फिल्में आ रही हैं, मगर पांच साल पहले जो क्वॉलिटी फिल्में हुआ करती थीं, वह तो अब कम आ रही हैं। लास्ट ईयर तो ऑस्कर में क्वॉलिटी बहुत खराब थी। इस बार भी 'द पॉवर ऑफ द डॉग' और एकाध को छोड़कर ओके ही हैं बस।

# राम गोपाल वर्मा ने मुझे कोला ड्रिंक के ऐड में देखकर 'मस्त' में कास्ट किया, उसके बाद का सफर आसान नहीं रहाः आफताब शिवदासानी

बॉलीवुड ऐक्टर आफताब शिवदासानी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वो इंडस्ट्री के लिए हमेशा एक आउट साइडर रहे हैं। साथ ही उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि वो फिल्मी फैमिली से नहीं हैं, इस वजह से उन्हें अपने करियर में खूब स्ट्रगल करना पड़ा। आफताब ने एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्म 'मिस्टर इंडिया' से बॉलीवुड में शुरुआत की थी। फिर फिल्म 'मस्त' में उन्हें लीड रोल मिला, लेकिन 2013 के बाद वो इंडस्ट्री से दूर हो गए। अब ओटीटी के जरिए उन्होंने फिर से वापसी की है।

### चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी करियर की शुरूआत

आफताब ने कहा, एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी। सच तो यह है कि चाइल्ड आर्टिस्ट और लीड एक्टर का एक-दूसरे से कोई लेना-देना नहीं है। मैंने एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर स्कूल में रहते हुए टीवी विज्ञापनों के लिए ऑडिशन दिया था।

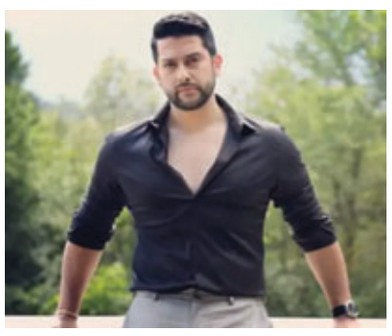

मुझे ऐक्टिंग के साथ-साथ कैमरा भी पसंद था। मैंने फिर साल 1999 में 'मस्त' से लीड ऐक्टर के तौर पर शुरुआत की।

### आफताब के लिए नहीं रहा यह सफर आसान

आफताब ने आगे कहा, राम गोपाल वर्मा ने मुझे कोला ड्रिंक के ऐड में देखकर ही वो रोल दिया था। उसके बाद मेरी लाइफबदल गई। हां, उसके बाद का सफर आसान नहीं रहा, क्योंकि मैं किसी फिल्मी फैमिली से नहीं हूं। तो कोई मुझे सलाह नहीं दे रहा था या मुझे यह नहीं बता रहा था कि मैं अपने करियर को कैसे प्लान करूं। मुझे यह सब खुद ही करना था।

### आफताब ने की स्ट्रगल पर बात

आफताब कहते हैं, असल में, मेरे पास इसका कोई और तरीका नहीं था। साथ ही, मैं इस बात से इनकार नहीं करूंगा कि यह आसान नहीं रहा है, क्योंकि सही तरह का काम और फिल्में पाने के लिए मुझे काफी स्ट्रगल करना पड़ा। जिन चीजों ने मुझे आगे बढ़ाया है, वो हैं खुद पर और मेरे फैन्स पर मेरा विश्वास, जिन्होंने मेरी पहली फिल्म के बाद से ही मेरा सपोर्ट किया है। मैं भगवान और उन लोगों का आभारी हूं, जिन्होंने मेरे मुश्किल समय में मेरा साथ दिया। आफताब को आखिरी बार 2021 की कन्नड़ फिल्म 'कोटिगोब्बा 3' में बड़े पर्दे पर देखा गया था। आफताब वेब सीरीज 'स्पेशलऑप्स 1.5: द हिम्मत स्टोरी' में भी एक लीड रोल में दिखाई दिए थे।

# लता मंगेशकर की याद में मुंबई में बनेगी म्यूजिक एकेडमीः मेलोडी क्वीन की बायोपिक को लेकर संजय लीला भंसाली समेत तीन बड़े डायरेक्टर्स में होड़

स्वर कोकिला लता मंगेशकर अब हमारे बीच नहीं रहीं। 6 फरवरी को 92 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। लेकिन, 'मेलोडी क्वीन' की आवाज, यादगार गाने और उनसे जुड़ी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी। महाराष्ट्र सरकार ने 'भारत रत्न' लता मंगेशकर की याद में मुंबई में एक म्यूजिक एकेडमी बनाने की घोषणा की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, लता मंगेशकर की याद में म्यूजिक एकेडमी के अलावा मुंबई यूनिवर्सिटी के कलिना कैंपस में एक म्यूजियम भी बनाया जाएगा। इतना ही नहीं कम से कम तीन बड़े फिल्म मेकर्स लता मंगेशकर पर एक बायोपिक बनाना चाहते हैं।

### बायोपिक को लेकर तीन बड़े डायरेक्टर्स तैयार

रिपोर्ट्स के मुताबिक, लता ताई के जीवन की अद्भुत कहानी बताने के इच्छुक तीन फिल्म मेकर्स आनंद एल राय, राकेश ओमप्रकाश मेहरा और संजय लीला भंसाली के बीच होड़ है। दरअसल, भंसाली 10 साल से लता मंगेशकर की बायोपिक के आइडिया के साथ जी रहे हैं। लेकिन, सवाल यह है कि क्या मंगेशकर फैमिली उनकी बायोपिक बनाने के लिए इजाजत देगी?

कहा जा रहा है कि अब जब दिग्गज सिंगर हमारे बीच नहीं रही हैं, तो संजय लीला भंसाली अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट के साथ आगे बढ़ने के लिए सबसे ज्यादा उत्सुक हैं। हालांकि, बताया जा रहा है कि मंगेशकर परिवार जाहिर तौर पर एशिया की सबसे सफल सिंगर के रूप में लताजी की जर्नी पर किसी भी ऑफिशियल बायोपिक की अनुमति अभी कुछ समय में तो नहीं देने जा रहा है। लेकिन, एक सूत्र ने खुलासा किया है कि मंगेशकर परिवार कभी न कभी उनके जीवन पर एक फिल्म बनाने की योजना बना रहा है।

### इंदौर में भी बनाई जाएगी एकेडमी और म्यूजियम

कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश प्रशासन ने लता मंगेशकर की जन्मस्थली इंदौर में एक म्यूजिक एकेडमी और एक म्यूजियम स्थापित करने की घोषणा की थी। इतना ही नहीं इंदौर में लता जी का एक स्मारक भी स्थापित किया जाएगा। साथ ही लता दीदी के नाम पर एक राज्य पुरस्कार भी रखा जाएगा, जो उनकी जयंती के अवसर पर कलाकारों को दिया जाएगा।

### राजकीय सम्मान के साथ हुआ था लता जी का अंतिम संस्कार

बता दें कि लता मंगेशकर ने 6 फरवरी को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आखिरी सांस ली थी। इसके बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में राजकीय सम्मान के साथ लता दीदी का अंतिम संस्कार किया गया था। उनके भाई हृदयनाथ मंगेशकर और भतीजे आदिनाथ ने उन्हें मुखाग्नि दी थी। लता जी को 8 जनवरी को कोरोना और निमोनिया के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लता दीदी के अंतिम संस्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, शाहरुख खान, सचिन तेंदुलकर, आमिर खान, रणबीर कपूर, शंकर महादेवन, संजय लीला भंसाली, जावेद अख्तर, श्रद्धा कपूर समेत कई हस्तियां और फैंस शामिल हुए थे।

### शिवाजी पार्क को स्मृति स्थल बनाने की लगातार हो रही मांग

भाजपा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को चिट्ठी लिख लगातार यह मांग कर रही है कि शिवाजी पार्क में जहां लता मंगेशकर का अंतिम संस्कार किया गया, वहीं पर उनका स्मृति स्थल बनाया जाए। भाजपा के विधायक राम कदम ने ठाकरे सरकार पर लता दीदी की उपेक्षा का आरोप भी लगाया है। लता मंगेशकर के करोड़ों फैंस और संगीत प्रेमी भी महाराष्ट्र सरकार से इसकी मांग कर रहे हैं।

बता दें कि शिवाजी पार्क में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे का स्मृति स्थल बना हुआ है। बाल ठाकरे के बाद लता मंगेशकर दूसरी हस्ती हैं, जिनका शिवाजी पार्क में अंतिम संस्कार किया गया। उनका अंतिम संस्कार उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर हुआ, जहां बाल ठाकरे का हुआ था।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Hotel Shiv Prabha Inn.
& Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge,
Power House,
Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

लिजना स्पोर्ट्स वियर
हमारे यहां सुपरपॉली, करारा, ड्राईफिट, एन.एस लावकरा आदि कपड़ों के लोवर, चड्डा, बनाये जाते है, एवं स्पोर्ट्स की टी-शर्ट होलसेल रेट में बनाए जाते हैं
संबंधित संस्थान
New J.P. Sports
Shop No. E-20, Circular Market, Camp-2, Bhilai
Mo. Lovely: 9993338252, 9300878988

श्रीराम कलेक्शन
बच्चों के आकर्षक रेडिमेड वस्त्रों के विक्रेता
जवाहर मार्केट केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
789805563, 9827178585

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर
■ लेडिस वेयर ■ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

रामजाने स्वादिष्ट चाट भंडार
शादी एवं पार्टी में ऑर्डर लिया जाता है
संपर्क करें : 8871247959

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरूम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां डिजाईनर साड़ियां एवं सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

## खास खबर

### जिले के 95 हाट-बाजारों में मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक संचालित,योजना के तहत 60679 हितग्राही लाभान्वित

**गरियाबंद।** गरियाबंद जिले के दूरस्थ अंचलों विशेषकर आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना प्रारंभ किया गया है।दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत व्यक्तियों को स्वास्थ्य सुविधा प्रदाय करने हेतु वर्तमान में जिले के 95 हाट बाजारों में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना का संचालन किया जा रहा है।हाट-बाजार क्लिनिक में चिकित्सकीय दल द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार तथा आवश्यकतानुसार दवाई वितरित किया जाता है।जिले में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना माह अगस्त 2019 से प्रारंभ किया गया है। माह अगस्त 2019 से अब तक कुल 60679 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं,साथ ही कुल 50902 को नि:शुल्क दवाई वितरित की गई है।सीएमएचओ डॉ. एनआर. नवरत्न से मिली जानकारी अनुसार गरियाबंद जिले के अंतर्गत संचालित हाट बाजार क्लिनिक में हितग्राहियों को संक्रामक बिमारियों से संबंधित जानकारी, शारीरिक तथा रक्त संबंधी बीमारियां, गैर संचारी रोग,प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं,परिवार नियोजन संबंधी सेवाएं, नेत्र व चर्म रोग संबंधी सेवाएं तथा एच. आई. व्ही संबंधी स्वास्थ्य परीक्षण, सलाह व उपचार प्रदाय किया जा रहा है।साथ ही एनीमिया जांच,मलेरिया जांच व अन्य चेकअप के साथ आवश्यकतानुसार दवाई वितरण भी किया जा रहा है। जिले में इस योजना के तहत विगत 01 माह में कुल 2050 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है तथा कुल 1982 हितग्राहियों को नि:शुल्क दवाई प्रदान की गई है।

### रेलवे भूमि में कब्जाधारियों का व्यवस्थापन के लिए की जाएगी पहल - रजत बंसल

**जगदलपुर।** कलेक्टर रजत बंसल ने रेलवे भूमि के कब्जाधारियों को आश्वासन दिया कि उन्हें बेघरबार नहीं होने दिया जाएगा और कब्जा हटाने की मोहलत के साथ ही व्यवस्थापन के संबंध में भी रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से पहल की जाएगी। रेलवे द्वारा भूमि कब्जा को हटाने की नोटिस मिलने पर कलेक्टर रजत बंसल के समक्ष राहत के लिए निवेदन करने पहुंचे कब्जाधारियों ने कलेक्टर को बताया कि रेलवे द्वारा सभी कब्जाधारियों को कब्जा हटाने की नोटिस दी गई है। अत्यंत अल्प समय में कब्जा हटाने की नोटिस से सभी परेशान हैं, कि वे इतने कम समय में आवास की व्यवस्था कैसे करें। कलेक्टर बंसल ने कहा कि वे कब्जा हटाने के लिए मोहलत देने के लिए रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से पहल करेंगे। इसके साथ ही वे व्यवस्थापन के संबंध में अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वयं इस मामले में संज्ञान लिया है और कब्जा हटाने के पूर्व व्यवस्थापन के लिए रेलवे के अधिकारियों से चर्चा करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कब्जाधारियों से चर्चा के दौरान अनुविभागीय दण्डाधिकारी दिनेश नाग को कब्जाधारियों की वास्तविक स्थिति और संख्या के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए राजस्व विभाग, वन विभाग, नगर निगम और रेलवे के अधिकारियों के संयुक्त दल के माध्यम से सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कब्जाधारियों को भी अपने परिवार के सदस्यों की पहचान पत्र के साथ ही बिजली और नल बिल जैसे दस्तावेज तैयार रखने को कहा, जिससे वास्तविक कब्जाधारियों की पहचान हो सके। उन्होंने कब्जाधारियों को धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की सख्ती नहीं बरती जाएगी।

# सरकार ने मशीन से मशीन संचार क्षेत्र में व्यापक प्रसार और नवाचार की सुविधा के लिए कई कदम उठाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। भारत सरकार ने माना है कि एम2एम/इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) दुनिया भर में सबसे तेजी से उभरती प्रौद्योगिकियों में से एक है, जो समाज, उद्योग और उपभोक्ताओं के लिए अत्यधिक लाभकारी अवसर प्रदान करती है। इसका उपयोग बिजली, मोटरवाहन, सुरक्षा तथा निगरानी, दूरस्थ स्वास्थ्य प्रबंधन, कृषि, स्मार्ट होम, उद्योग 4.0, स्मार्ट सिटी आदि जैसे विभिन्न कार्यक्षेत्रों में जुड़े उपकरणों का उपयोग करके स्मार्ट बुनियादी सुविधाएं कायम करने के लिए किया जा रहा है।

मशीन से मशीन संचार एक प्रमुख भूमिका निभाने जा रहा है तथा डिजिटल इंडिया एवं मेक इन इंडिया की भारत सरकार की पहल में महत्वपूर्ण योगदान देगा। एम2एम इको-सिस्टम को मजबूत करने तथा इस क्षेत्र में व्यापक प्रसार एवं नवाचार की सुविधा के लिए, हाल ही में निम्नलिखित कार्य किए गए हैं। एम2एमएसपी सेवा प्रदाताओं और डब्ल्यूपीएएन/डब्ल्यूएलएएन कनेक्टिविटी प्रदाताओं के पंजीकरण के लिए 8 फरवरी, 2022 को दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। सिम और डब्ल्यूपीएएन/डब्ल्यूएलएएन आधारित एम2एम संचार प्रदान करने हेतु आवेदकों के लिए खुद को पंजीकृत करने की आवश्यकता है। यह टीएसपी, केवाईसी, ट्रेसबिलिटी और एन्क्रिप्शन के साथ कनेक्टिविटी जैसी चिंताओं को दूर करने में मदद करेगा। पंजीकरण देश भर में फैले दूरसंचार विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों में किया जाएगा। यूएल और यूएल-वीएनओ लाइसेंस के तहत यूएल (एम2एम) और यूएल-वीएनओ (एम2एम) के लिए नया लाइसेंस शुरू किया गया है और तदनुसार यूएल और यूएल (वीएनओ) के लिए दिशानिर्देश में 17 जनवरी, 2022 को संशोधन किए गए थे। हालांकि मौजूदा एक्सेस सेवा प्रदाता पहले से ही एम2एम/आईओटी नेटवर्क को कनेक्टिविटी प्रदान करने में सक्षम थे, नए लाइसेंस के माध्यम से, सेवा प्रदाताओं की एक स्वतंत्र श्रेणी को एम2एम/आईओटी उपकरणों के इंटरकनेक्शन के लिए नेटवर्क बनाने, उसे संचालित करने और सेवा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इस लाइसेंस के लिए आवेदक विभिन्न श्रेणियों जैसे श्रेणी ए (पैन इंडिया के लिए), श्रेणी बी (सेवा क्षेत्र) और श्रेणी सी (एसएसए/जिला क्षेत्र) के तहत आवेदन कर सकते हैं। एम2एम/आईओटी के इस्तेमाल में स्पेक्ट्रम की अतिरिक्त उपलब्धता के लिए पहले से बिना लाइसेंस वाले 865-867 मेगाहर्ट्ज बैंड में 1 (एक) मेगाहर्ट्ज अतिरिक्त स्पेक्ट्रम जोड़ दिया जाता है, जिससे यह 865-868 मेगाहर्ट्ज हो जाता है। विभिन्न इस्तेमाल के लिए रेडिएटेड पावर, चैनल बैंडविड्थ और ड्यूटी साइकल को भी परिभाषित किया गया है। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग ने एम2एम/आईओटी डोमेन में बढ़ते हुए एम2एम उद्योग की सुविधा के लिए पहले निम्नलिखित कार्य किए थे। मोबाइल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े एम2एम/आईओटी उपकरणों के लिए विशेष रूप से 13 अंकों की नंबर प्रणाली जारी की। केवल एम2एम संचार सेवाओं के लिए उपयोग की जाने वाली सिम की विशेषताओं को परिभाषित किया गया है।

# गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने नवा छत्तीसगढ़ सदन के निर्माण कार्यों का जायजा लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने नई दिल्ली के द्वारका में बन रहे नए छत्तीसगढ़ सदन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को समय सीमा का ध्यान रखते हुये गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन के निर्देश दिये।

गौरतलब है कि देश की राजधानी दिल्ली में छत्तीसगढ़ से आने वाले अतिथियों की सुविधा के लिए द्वारका के सेक्टर 13 में 60 करोड़ 42 लाख की लागत से नवा छत्तीसगढ़ सदन का निर्माण किया जा रहा है। इस सदन के निर्माण के लिए 43 हजार 803 वर्गफीट भूमि 22.50 करोड़ रुपए में क्रय की गई है। निरीक्षण के दौरान गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिये। अधिकारियों ने श्री साहू से बताया कि कोरोना काल के दौरान कार्य की धीमी गति को अब कवर किया जा रहा है। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग के अधिकारी आर.पी. यादव भी उपस्थित रहे।

# दपूमरे महाप्रबंधक आलोक कुमार रेल मंडल का करेंगे वार्षिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

### बिलासपुर-लखौली-रायपुर सेक्शन का करेंगे निरीक्षण

**रायपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कुमार 11 फरवरी को रायपुर रेल मंडल का वार्षिक निरीक्षण करेंगे।

रेल मंडल रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार प्रति वर्ष महाप्रबंधको द्वारा मंडलों के विभिन्न रेल खंडों में वार्षिक निरीक्षण किए जाते हैं। इसी क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कुमार भी 11 फरवरी को रायपुर रेल मंडल का निरीक्षण करेंगे। इस वार्षिक निरीक्षण के दौरान वे इस सेक्शन के साधन संसाधनों, रेलवे ट्रैक, मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करेंगे। रेलवे फाटक जिसमें हाइट गेज, रोड सरफेस, गेट बूम, हाइट स्पीड ब्रेकर, ड्यूटी पर तैनात गेटमैन से संरक्षा संबंधित पूछताछ, रेल ब्रिज एवं गैंग, रेलवे कालोनी आदि का भी निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान यात्री सुविधाओं, संरक्षा, सुरक्षा की सुनिश्चितता के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों, स्थानीय संगठनों व्यापारिक संगठनों से भी महाप्रबंधक मिलेंगे।

निरीक्षण के दौरान दक्षिण महाप्रबंधक श्री कुमार के साथ रायपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्याम सुंदर गुप्ता, बिलासपुर मुख्यालय के सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष सहित रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

### साय ने मुख्यमंत्री बघेल को लिखा पत्र

# कर्मचारियों को केन्द्र की तरह 31 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखकर प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों को केन्द्र सरकार की तरह 31 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की मांग की है। श्री साय ने अपने पत्र में श्री बघेल से कहा कि आपके नेतृत्व वाली प्रदेश की कांग्रेस सरकार की रीति-नीति से प्रदेश का हर वर्ग स्वयं को असहज महसूस कर रहा है।

इसी कड़ी में अब कर्मचारियों के प्रति शासन-प्रशासन की उदासीनता का सामने आना हैरतभरा है। इससे यह संदेश जा रहा है कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने हर वर्ग को ठगने के साथ-साथ अब 05 लाख कर्मचाारियों को भी परेशान कर रही है। कर्मचारियों की मांगों पर प्रदेश सरकार कोई सहानुभूतिपूर्ण निर्णय लेती दृष्टिगत नहीं हो रही है, और अपने नित-नए फैसले उन पर थोप रही है जिससे उन कर्मचारियों की परेशानी दुगुनी हो गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों ने प्रदेश सरकार से यह मांग की है कि उनका महंगाई भत्ता जो केंद्र सरकार 31 फीसदी दे रही है, उतना ही राज्य सरकार भी अपने कर्मचारियों को दे। महंगाई भत्ते की राशि में 14 फीसदी का बड़ा फर्क प्रदेश की कांग्रेस सरकार के शासनकाल में बना हुआ है, जिससे कर्मचारी बेहद निराश और रुष्ट हैं। कर्मचारियों की बार-बार मांग के बावजूद प्रदेश सरकार अपने कर्मचारियों को केंद्र सरकार के बराबर महंगाई भत्ता देने पर राजी क्यों नहीं हो रही है? क्या कारण है? श्री साय ने अपने पत्र में श्री बघेल को यह भी लिखा है कि शासकीय कार्यालयों में 05 दिनों का सप्ताह घोषित कर सरकारी कर्मचारियों के लिए जो कार्य-अवधि तय की गई है, उसको लेकर भी कर्मचारियों में आक्रोश है। कर्मचारी संगठन मांग कर रहे हैं कि उनके कार्य की अवधि सुबह 10.30 बजे से शाम 06 बजे कर दी जाए। यह मांग व्यावहारिक प्रतीत हो रही है, लेकिन प्रदेश सरकार इस मुद्दे पर भी पुनर्विचार करने की तैयारी नहीं दिखा रही है। इस विषय पर प्रदेश सरकार को कर्मचारी संगठनों से खुले मन से चर्चा कर इससे जुड़ी दिक्कतों को दूर कर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

# कोविड वैक्सीनेशन : कोरबा जिले में 98 प्रतिशत लोगों को पहली खुराक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में कोविड संक्रमण पर लगाम कसने के लिए 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का कोविड टीकाकरण किया जा रहा है। जिले में अभी तक 18 वर्ष अधिक उम्र के आठ लाख 86 हजार 866 लोगों को कोरोना टीके की पहली डोज दी जा चुकी है। अनुमानित लक्ष्यानुसार यह जिले में 98.08 प्रतिशत है।

इसी तरह कोरबा जिले में छह लाख 49 हजार 610 लोगों ने कोविड वैक्सीन की दूसरी खुराक भी ले ली है। तीन जनवरी 2022 से 15-18 वर्ष के किशोरों को कोविड वेक्सीन लगाया जा रहा है। जिले में इस श्रेणी के अन्तर्गत 68 हजार 979 बालक-बालिकाओं को कोविड वैक्सीन का पहला डोज दिया जा चुका है। प्रिकॉशनरी डोज के रूप में जिले में 12 हजार 060 लोगों को कोविड वेक्सीन का बूस्टर डोज भी दिया जा चुका है। इसी प्रकार जिले में कोविड-19 संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए लोगों का टीकाकरण तेजी से जारी है। बूस्टर डोज 12 हजार 060 लोगों को- जिले में फ्रंट लाईन वर्कर, हेल्थ केयर वर्कर और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कोविड वैक्सीन का बूस्टर डोज भी दिया जा रहा है। जिले में अभी तक 12 हजार 060 लोगों को बूस्टर डोज दिया जा चुका है। तीन हजार 629 हेल्थ केयर वर्कर्स को, तीन हजार 234 फ्रंट लाईन वर्कर्स को एवं साठ वर्ष से अधिक उम्र के पांच हजार 197 लोगों को प्रिकॉशनरी डोज दिया जा चुका है।

पहली डोज: 18आयु वर्ग के आठ लाख 86 हजार 866 लोगों का टीकाकरण - कोरबा जिले में 18 से अधिक आयु वर्ग के आठ लाख 86 हजार 866 लोगों को अब तक कोविड वेक्सीन की पहली खुराक लगाई जा चुकी है। इस आयु वर्ग में सबसे अधिक कोरबा और कटघोरा के शहरी इलाकों में दो लाख 56 हजार 287 लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है। दूसरे स्थान पर पाली विकासखंड में एक लाख 45 हजार 734 लोगों का, विकासखण्ड पोड़ी-उपरोड़ा में एक लाख 44 हजार 711 लोगों का, कटघोरा ग्रामीण में एक लाख 18 हजार 806 लोगों को कोविड का वैक्सीन लगाया जा चुका है। इसी प्रकार, कोरबा के ग्रामीण क्षेत्रों में एक लाख 10 हजार 986 लोगों का एवं करतला में एक लाख 10 हजार 342 लोगों का कोरोना वैक्सीनेशन पूरा हो चुका है। दूसरी डोज: 18. वर्ग के छह लाख 49 हजार 610 लोगों का टीकाकरण - जिले में 18 वर्ष से अधिक उम्र के छह लाख 49 हजार 610 लोगों को निर्धारित समयावधि पूरी होने पर कोविड-19 वेक्सीन की दूसरी डोज भी लगा दी गई है। इस श्रेणी में कोरबा-कटघोरा के शहरी इलाकों में एक लाख 83 हजार 415, कटघोरा विकासखंड के ग्रामीण इलाकों में 86 हजार 543, पोड़ीउपरोड़ा विकासखंड में 92 हजार 484, करतला विकासखंड में एक लाख तीन हजार 805 और पाली विकासखंड में एक लाख तीन हजार 002 लोगों को एवं कोरबा के ग्रामीण क्षेत्रों में 80 हजार 361 लोगों को कोरोना वेक्सीन का दूसरा डोज दिया जा चुका है। जिले में 15 से 18 वर्ष की उम्र के किशोर-किशोरियों और स्कूली विद्यार्थियों का कोविड टीकाकरण तेजी से जारी है। जिले में अभी तक 68 हजार 979 किशोर-किशोरियों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है। जो अनुमानित लक्ष्य का 90 प्रतिशत से अधिक है।

### तेतला धान खरीदी केन्द्र के भौतिक सत्यापन में पहुंचे कलेक्टर

**रायगढ़।** कलेक्टर भीम सिंह ने आज तेतला धान उपार्जन केन्द्र के निरीक्षण में पहुंचे। यहां उन्होंने धान खरीदी के भौतिक सत्यापन की जांच की। उन्होंने केन्द्र में इस खरीफ विपणन वर्ष में हुयी धान खरीदी और उठाव की जानकारी ली। उन्होंने केन्द्र से अब तक हुए उठाव के पश्चात शेष बचे धान की स्टैकिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेक लगाकर रखे धान की बोरियों की गिनती करवाकर नोडल अधिकारियों द्वारा दिए प्रतिवेदन तथा ऑनलाइन रिकॉर्ड से मिलान किया। उन्होंने शेष धान के उठाव हेतु डीओ जारी किए जाने के संबंध में जानकारी ली। सहायक खाद्य अधिकारी ने बताया कि जितने किसानों को टोकन जारी किया गया था।

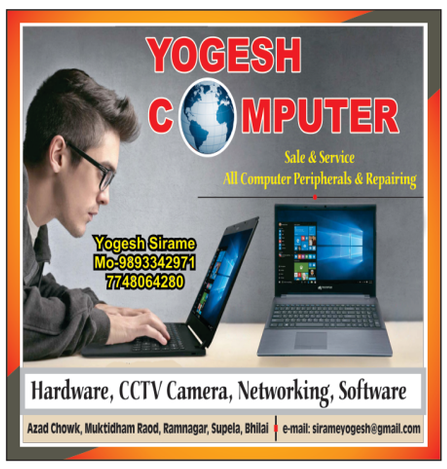

# हत्या का खुलासाः शारीरिक कमजोरी का अहसास कराने से नाराज दोस्त ने ही कर दी थी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भिलाई के आईटीआई ग्राउंड में सात फरवरी को हुई हत्या का मामला खुर्सीपार पुलिस ने सुलझा लिया है। हत्या करने वाला मृतक का ही दोस्त निकला। हत्या की वजह बस इतनी थी कि मृतक ने आरोपी को शारीरिक कमजोरी का अहसास कराया। इससे गुस्साए आरोपी ने पत्थर से कुचल कर उसकी हत्या कर दी। यही नहीं उसके प्राइवेट पार्ट को भी नुकसान पहुंचाया। खुर्सीपार पुलिस ने इस मामले में उडिया बस्ती खुर्सीपार निवासी बलराम क्षत्रिय, झूमन साहू व यशवंत कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं घटना में प्रयुक्त बलराम का मोटर सायकल पैशन प्रो हरा काला रंग को भी जब्त कर लिया गया है। मामले का खुलासा करते हुए एसपी बद्री नारायण मीणा ने बताया कि बलराम क्षत्रिय की बहन रेखा सोना ने पुत्र को जन्म दिया। इसी खुशी में बलराम ने 6 फरवरी को अपने दोस्त झूमन साहू व मोनू उर्फ श्याम कुमार को शराब पार्टी दी। तीनों दोस्त रात करीब 10:30 बजे आईटीआई ग्राउंड पहुंचे और जमकर शराब पी। इस दौरान श्याम कुमार ने बलराम क्षत्रिय के साथ गलत टिप्पणी कर दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बताया श्याम कुमार ने बलराम को टारगेट करते हुए कहा कि उसकी बहन को बेटा हुआ लेकिन शादी

के 2 साल भी वह बाप नहीं बन पाया। इसे लेकर श्याम कुमार ने कुछ गलत बातें कह दी। इस दौरान तीनों शराब के नशे में थे। बलराम क्षत्रिय को शारीरिक कमजोरी का एहसास दिलाना श्याम कुमार के लिए भारी पड़ गया। बलराम छतरी ने पास में रखे पत्थर से उसके सिर पर वार कर दिया। साथ में शराब पी रहे झूमन साहू ने भी बलराम क्षत्रिय का साथ दिया। दोनों ने उस पर पत्थर से कई वार किए। यही नहीं श्याम कुमार के प्राइवेट पार्ट को भी नुकसान पहुंचाया। पुलिस को गुमराह करने के लिए मृतक श्याम कुमार की लोवर और टीशर्ट उतार कर एक ओर रख दिया ताकि पुलिस मामले को अवैध संबंध से जोड़ते हुए मुख्य आरोपियों तक न पहुंच पाए। घटना को अंजाम देने के बाद बलराम क्षत्रिय व झूमन साहू अपने मित्र यशवंत यादव के पास पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी दी। यशवंत यादव ने आरोपियों को बचाने के इरादे से उनके खून से सने कपड़े व बेल्ट आदि जला दिए। इसके बाद तीनों अपने अपने घर में निश्चिंत हो गए।

### ट्रांसपोर्ट कार्यालय के चौकीदार के कारण पकड़ाए आरोपी

घटना के बाद खुर्सीपर पुलिस लगातार आरोपियों की पतासाजी कर रही थी। पुलिस घटना की जांच अवैध संबंध के आधार मानकर भी कर रही थी। इस दौरान पुलिस को सुराग मिला। आईटीआई के पास स्थित ट्रांसपोर्ट ऑफिस के चौकीदार ने घटना वाली रात को मोटरसाइकिल पर दो युवकों को देखा था। इसके बाद पुलिस चौकीदार से मिली और सीसीटीवी फुटेज जांच करने पर दो युवक नजर आए। पुलिस को सूराग तो मिला लेकिन आरोपियों की पहचान नहीं हो पा रही थी। इसके बाद चौकीदार ने बताया कि उनमें से एक ने उसके साथ बात की थी। वहीं जब रात को वे दोनों जा रहे थे तो उनकी मोटरसइकिल गिर गई थी। इसके बाद पुलिस मोटर साइकिल का पता लगाने में लगी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली के उडिया बस्ती में ऐसी ही एक मोटरसाइकिल देखी गई जिसमें ताजा स्क्रेच के निशान थे। इस आधार पर पुलिस बलराम क्षत्रिय तक पहुंची। बलराम क्षत्रिय पहले तो ना नुकर करता रहा। लेकिन जब पुलिस ने कड़ाई की तो उसने अपना अपराध कबूल किया। उसने यह भी बताया कि वारदात में उसके साथ झुमन साहू शामिल था। वहीं घटना के बाद यशवंत यादव ने उनकी मदद की थी। पुलिस ने बलाराम की निशानदेही पर झूमन साहू व यशवंत यादव को भी गिरफ्तार किया।

## खास-खबर

### 80 डंपर आपरेटरों ने किया कोयला उत्पादन, एक दर्जन निलंबित

**कोरबा (ए)।** साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के गेवरा खदान में वेस्ट एमटीके के करीब 80 डंपर आपरेटर एक साथ अचानक ओटी की मांग को लेकर काम बंद कर दिए। दो पाली में काम ठप रहा। इसकी वजह से करीब 16 घंटे कोयला उत्पादन कार्य प्रभावित हुआ। पहले ही प्रबंधन पर कोयला उत्पादन बढ़ाए जाने का दबाव है, ऐसे में बिना किसी नोटिस के हड़ताल में जाने की इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया गया है। प्रबंधन ने सख्त रवैय्या अपनाते हुए एक दर्जन से ज्यादा लोगों को निलंबित करते हुए सभी डंपर आपरेटरों की वेतन काटने की घोषणा कर दी है।

गेवरा खदान के वेस्ट एमटीके में 150 टन क्षमता के आपरेटरों ने गुरूवार को प्रथम पाली से सामूहिक रूप से एकाएक काम बंद कर दिया। हाजिरी नहीं लगाते हुए काम का बहिष्कार किया। इन कर्मियों का प्रबंधन पर आरोप था कि प्रबंधन इस्ट व वेस्ट में कार्यरत कर्मियों के मध्य भेदभाव की नीति अपना रहा है। इस्ट में 240 टन क्षमता डंपर चला रहे आपरेटरों को सामान्य ड्यूटी करने पर चार घंटे का ओवहरटाइम दिया जा रहा है, पर वेस्ट में कार्यरत आपरेटरों को इसका लाभ नहीं मिल रहा। आठ घंटा से ज्यादा ड्यूटी लिया जा रहा। खदान क्षेत्र की सड़क भी खराब है, इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उनका कहना है कि प्रबंधन दबाव पूर्वक कार्य करा रहा है। काम बंद करने के पहले ना तो प्रबंधन को कोई नोटिस दी गई और ना हीं वार्ता की गई। एकाएक काम बंद किए जाने से प्रबंधन हड़बड़ा गया। शिफ्ट इंचार्ज ने आपरेटरों से चर्चा की और काम पर वापस लौटने कहा, लेकिन आपरेटर अपनी मांग पर अड़े रहे और धीरे धीरे प्रथम पाली का समय समाप्त हो गया। प्रबंधन को उम्मीद थी कि द्वितीय पाली में आपरेटर काम पर आएंगे, लेकिन द्वितीय पाली के भी आपरेटरों ने काम का बहिष्कार कर दिया।

प्रथम व द्वितीय पाली में लगभग 80 आपरेटर के नहीं आने से मिट्टी निकासी व कोयला उत्पादन काम पूरी तरह ठप रहा। गेवरा खदान पहले से ही उत्पादन लक्ष?य से काफी पीछे चल रही है और प्रतिदिन दो लाख टन उत्पादन करने के बजाए वर्तमान में मुश्किल से डेढ़ लाख टन उत्पादन हो रहा है। ऐसी स्थिति में कर्मियों के आंदोलन किए जाने से उत्पादन पर प्रभाव पड़ने के मामले प्रबंधन ने गंभीरता से लेते हुए पत्र जारी कर सभी कर्मियों को नोटिस जारी कर दिया और वेतन काटने की घोषणा कर दी। शाम को मामला गंभीर होते देख प्रबंधन ने एक दर्जन से ज्यादा कर्मियों को निलंबित कर शोकाज नोटिस जारी कर दिया।

# शराब पीने से रोका तो मंदिरों में की तोड़फोड़ करने वाले 2 गिरफ्तार, 1 फरार

### देर रात प्रशासन ने दो मंदिरों में स्थापित कराई मूर्तियां

**जांजगीर (ए)।** जांजगीर स्थित हनुमान जी के मंदिरों में तोड़फोड़ करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गुरुवार रात गिरफ्तार कर लिया। जबकि, एक फरार है। बताया जा रहा है कि मंदिर के सामने शराब पीने से मना करने पर आरोपियों ने तोड़फोड़ की थी। घटना के बाद लोगों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने देर रात दो मंदिरों में मूर्तियां स्थापित करा दी।

दरअसल, नवागढ़ क्षेत्र के मिसदा गांव और शिवरीनारायण के केरा रोड और दुरबा गांव के पास स्थित हनुमान मंदिरों में बुधवार देर रात तोड़फोड़ हुई थी। ताला तोड़कर घुसे असामाजिक तत्वों ने मंदिर में स्थापित हनुमान जी की मूर्ति तोड़ दी। धर्म ध्वज को भी निकाल कर फेंक दिया था। बाद में पुलिस ने खंडित मूर्ति को पास के ही नहर से बरामद किया। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ था।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित की। ग्रामीणों से पूछताछ के बाद सामने आए हुलिए के आधार पर साइबर सेल की मदद से आरोपियों केसला निवासी मनीष साहू (19) और संजू पटेल (19) को गिरफ्तार कर लिया। जबकि, तीसरे आरोपी राजेश साहू को पुलिस तलाश कर रही है। वह अभी तक फरार बताया जा रहा है।

#### बाइक पर घूम-घूम कर मंदिरों में तोड़फोड़ की

एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया, 'पूछताछ में पता चला है कि तीनों आरोपी मंदिर के सामने ही बैठकर शराब पी रहे थे। इस पर ग्रामीणों ने उन्हें मना किया। इस पर नशे और गुस्से की हालत में तीनों ने मंदिर में तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद बाइक से आगे निकले और रास्ते में स्थित अन्य दोनों हनुमान मंदिर में भी तोड़फोड़ कर मूर्तियों को खंडित कर दिया। पुलिस ने मिसदा और केरा रोड स्थित मंदिरों में मूर्तियां स्थापित करा दी हैं।

#### बंदर की मौत पर बना था मंदिर

ग्राम पंचायत मिसदा के पंच महेश्वर शुक्ला ने बताया, 'मंदिर को पिछले साल ही गांव के युवाओं ने बनवाया था। यहां एक बंदर की मृत्यु हो गई थी। उसके बाद शव को दफन कर स्मारक स्वरूप मंदिर का निर्माण कराया गया। घटना से धार्मिक भावना आहत हुई है। इसके चलते मन में गुस्सा भी था।

# तेंदुआ का शिकारः रेंजर, फारेस्टर और बीट गार्ड को नोटिस

**बिलासपुर (ए)।** सोठी सर्किल के बिटकुला बीट में तेंदुआ के शिकार के मामले में वन विभाग की टीम अब तक शिकारियों का सुराग नहीं ढूंढ पाया है। इधर वनमंडलाधिकारी द्वारा 24 घंटे का अल्टीमेटम भी पूरा हो गया। इसे देखते हुए ही उन्होंने रेंजर, फारेस्टर व बीट गार्ड को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

घटना को लेकर बिलासपुर से रायपुर मुख्यालय तक हड़कंप मचा हुआ है। उच्चाधिकारियों ने भी जल्द जांच कर दोषियों को पकड़ने के निर्देश दिए हैं।

हालांकि पहले ही दिन डाग स्क्वायड की मदद से तीन संदेहियों को पकड़ा गया। विभाग ने तीनों से सुबह से लेकर रात तक पूछताछ करती रही। लेकिन किसी तरह सफलता हाथ नहीं लगी। इन तीन के अलावा एक-दो और पर भी संदेह के आधार जानकारी खंगालने की कोशिश की गई। इसमें भी ठोस सुराग नहीं मिले। घटना के दूसरे दिन ही वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत ने जांच कर शिकारियों का पता लगाने 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। परिणाम नहीं आने पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

इसके बाद भी वन अमले के हाथ कुछ नहीं लगा। इसलिए गुरुवार को रेंजर, फारेस्टर व बीट गार्ड का नोटिस जारी कर दिया गया है। इस नोटिस के बाद अधिकारी व कर्मचारी सकते में हैं। मालूम हो कि तेंदुआ का शिकार करेंट बिछाकर किया गया है। डाग स्क्वायड की जांच में घटना स्थल के पास लकड़ी के नौ खूंटे भी बरामद किए गए हैं। नुकीले इन खूंटे को जमीन में गड़ाकर ही इसके सहारे करेंट प्रभावित तार को बांधा गया था।

24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद भी आरोपित पकड़ से दूर हैं। लिहाजा रेंजर, फारेस्टर व बीट गार्ड को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जांच के लिए टीम बनाई गई है। संदेहियों से पूछताछ भी जारी है।

**कुमार निशांत**
**वनमंडलाधिकारी,बिलासपुर**

# अड्डेबाजों और नशेड़ियों की जांच के लिए पुलिस ने की चेकिंग

**रायपुर (ए)।** राजधानी में मारपीट, चाकूबाजी, नशे की गोलियां और गांजे की बिक्री करने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान शुरू किया है। रायपुर में लगातार चाकूबाजी और मोबाइल छीनने की घटनाएं बढ़ने को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर प्रशांत अग्रवाल के निर्देशन में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

जिसमे समस्त थानों के थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ थानों के अड्डेबाजी एवं लड़ाई झगड़े को लेकर संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल पेट्रोलिंग कर रहे हैं। अभियान के तहत भीड़-भाड़ वाले स्थान, सार्वजनिक स्थान, आम स्थान, सुनसान स्थान में जमावड़ा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी करने वालों, संदिग्ध व्यक्तियों, असमाजिक तत्वों, संदिग्ध व्यक्तियों के वाहनों एवं वाहनों की डिक्की सहित धारदार हथियार रखकर घूमने वालों की चेकिंग की जा रही है।

#### आउटर क्षेत्रों में भी चेकिंग

शहर के आउटर क्षेत्रों में भी ऐसे लोगों, स्थानों की लगातार चेकिंग की जा रहीं है। चेकिंग के दौरान संदिग्ध पाए जाने वाले लोगों पर विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

जारी अभियान में अभी तक सार्वजनिक स्थान पर बैठकर शराब पीने वाले 20 लोगों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई तथा 18 लोगों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई। कार्रवाई अभी भी लगातार जारी हैं।

#### चाकूबाजों का पुलिस ने निकाला जुलूस

रायपुर के लाखेनगर अश्वनी नगर रोड पर अपने दोस्त के ऊपर मंगलवार को चाकू से हमला कर फरार हो गए थे। पुलिस ने बुधवार को दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था। गुरुवार को राजधानी पुलिस घटना स्थल पर उनका जुलूस निकाला। गिरफ्तार आरोपितों ने चाकू बाजी न करने के लिए नारे भी लगाए। बता दें कि लाखेनगर अश्वनी नगर रोड पर आठ फरवरी की रात को डंगनिया खदान बस्ती में रहने वाला सुनील डड़सेना अपने दोस्त टिल्लू उर्फ तुलेश्वर (20) और अमन गोस्वामी (21) के साथ अश्वनी नगर की ओर पैदल ही घूमने गया था। तीनों के बीच पुराने झगड़े को लेकर बहस शुरू हो गई। सुनील ने उस झगड़े में तुलेश्वर को पीट दिया था। इसी का बदला लेने के लिए तुलेश्वर सुनील की जांघ और बाएं हाथ पर चाकू से कई वार कर फरार हो गया था।

## खास - खबर

विधायक वोरा ने कलेक्टर से चर्चा की

### शहर विकास की सभी योजनाओं की कलेक्टर खुद करें समीक्षा

**दुर्ग।** विधायक अरुण वोरा ने कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे से दुर्ग शहर के विकास कार्यों और प्रस्तावित योजनाओं में तेजी लाने के लिए विभागीय कार्यों की समीक्षा करने कहा है। वोरा ने कहा है कि जीई रोड के उन्नयन और सौंदर्यीकरण कार्य, ठगड़ाबांध पिकनिक स्पॉट योजना सहित शहर के अन्य विकास कार्यों की समीक्षा होनी चाहिए ताकि विभागीय कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सके। वोरा ने ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट योजना में रेलवे की भूमि से संबंधित मामले को सुलझाने के लिए आवश्यक पहल करने कलेक्टर से कहा है। वोरा ने कहा कि इस योजना के तहत डीएमएफ मद से डेढ़ करोड़ रुपए स्वीकृत करने की मांग नगर निगम ने की है। इसकी स्वीकृति मिलने पर पिकनिक स्पॉट निर्माण में तेजी आएगी। कलेक्टर ने इन दोनों मुद्दों पर सहमति जताई है। गौरतलब है कि ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट पर गार्डन विकसित करने की योजना बनाई गई है। प्रस्तावित गार्डन का कुछ हिस्सा रेलवे की भूमि में आ रहा है। यहां किसी भी तरह के निर्माण या विकास कार्य करने के लिए रेलवे अधिकारी तैयार नहीं हैं। इस संबंध में प्रारंभिक चर्चा में रेलवे ने उक्त भूमि पर गार्डन निर्माण न करने कहा है। विधायक वोरा ने इसी मामले में कलेक्टर से उचित पहल कर विवाद सुलझाने कहा है।

### दुर्ग विवि में कानून के टॉपर को मिलेगा बाबा साहेब डॉ. बीआर आम्बेडकर गोल्ड मेडल

**भिलाई।** दुर्ग के शासकीय हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के नाम से गोल्ड मेडल कानून की परीक्षा के टॉप ग्रेजुएट को दिया जाएगा। देश के प्रथम कानून मंत्री डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के नाम का स्वर्ण पदक , कानून की परीक्षा एलएलबी में सर्वोत्तम अंक पाने वाले प्रतिभाशाली छात्र को डॉ बी आर अंबेडकर स्वर्ण पदक हर साल प्रदान किया जाएगा तथा साथ ही एक प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा। इस संबंध में आवश्यक राशि डॉ. उदय धाबर्डे की ओर से विश्वविद्यालय प्रशासन को प्रदान कर आवश्यक कार्यवाही की जा चुकी है। गुरुवार को डॉ. उदय धाबर्डे के साथ समता सुरक्षा सेना प्रदेश प्रमुख अरविंद चौधरी तथा जिला प्रमुख अनिल जोग विश्वविद्यालय पहुंचे। जहां कुलसचिव डॉ सीएल देवांगन ने आवश्यक कागजात प्रदान कर आभार व्यक्त किया।

### नरवा संरचना के किनारे होगा व्यापक पौधरोपण, अश्विनी देवांगन ने दिये निर्देश

**दुर्ग।** जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने आज पाटन ब्लाक में नरवा संरचनाओं का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने जर्जर हो चुके चेकडेम के जीर्णोद्धार के निर्देश दिये तथा साथ ही डिसेल्टिंग कार्य भी तेजी से करने कहा। सीईओ सबसे पहले लोहर्सी-ठकुराईन टोला पहुँचे। यहां लगभग साढ़े पांच किमी लंबाई में नाला जीर्णोद्धार का काम हो रहा है। सीईओ ने कहा कि डिसेल्टिंग से पानी ठहरेगा जैसा प्रथम चरण में हुए कार्यों के पश्चात परिलक्षित हो रहा है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि नालों के किनारे सघन पौधरोपण हो। सघन पौधरोपण होने के चलते पानी जमीन में ठहरता है और वाटर लेवल में वृद्धि होती है। नालों के किनारे सघन पौधरोपण होने से इसका और भी ज्यादा लाभ मिलेगा।

महापौर नीरज पाल ने ली जल कार्य विभाग की बैठक, कहा-

# गर्मी के दिनों में न हो पेयजल संकट, अभी से पूर्ण कर ले तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल ने जल कार्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। घंटे भर से अधिक चली बैठक में शहर में पेयजल की दिक्कत न हो इस विषय पर काफी लंबी चर्चा हुई। महापौर नीरज पाल ने कहा कि गर्मी का मौसम बेहद नजदीक है ऐसे में शहर के वार्डों में पेयजल संकट की स्थिति न बने। अमृत मिशन के प्लान के तहत सारे कार्य पूर्ण हो।

जल कर की वसूली सत प्रतिशत करने उन्होंने बैठक में निर्देश दिए और अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाने भी कहा। महापौर ने कहा कि टैंकर मुक्त शहर बनाने की दिशा में कार्य करें। जल की बर्बादी को रोकने पर विशेष रूप से फेकस करें। इंटरकनेक्शन की स्थिति का बैठक में महापौर ने जायजा लिया। अमृत मिशन के तहत बिछाए जा रहे पाइपलाइन को शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश उन्होंने दिए। कहा कि गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या जिन वार्डों में और क्षेत्रों में होती है वहां पर अभी से पेयजल की व्यवस्था बनाने पर कार्य प्रारंभ कर दें। निगम क्षेत्र में जितने भी पावर पंप और हैंडपंप जैसे पेयजल के संसाधन हैं वह सभी अपडेट रहें। अमृत मिशन के तहत बिछाई गई पाइप लाइन से अंतिम छोर के व्यक्ति को पानी मिल रहा है या नहीं इसका फील्ड स्तर पर निरीक्षण कर विकल्प के साथ रिपोर्ट देने बैठक में कहा गया है। इधर सार्वजनिक नलों में पानी की बर्बादी को रोकने टोटी लगाने और अन्य आवश्यक उपाय अपनाने के निर्देश महापौर ने दिए हैं। महापौर नीरज पाल ने उच्चस्तरीय जलागार की भी समीक्षा की। उन्होंने निगम के हर वार्ड में पेयजल की स्थिति तथा अमृत मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी अधिकारियों से मांगी है। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि शहर को शुद्ध पेयजल मिले इसका विशेष ध्यान रखें इसके लिए लैब इत्यादि के उपकरण अद्यतन हो। बैठक में लोक निर्माण विभाग के प्रभारी एकांश बंछोर, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, अधीक्षण अभियंता यू.के. धलेंद्र, कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा, सहायक अभियंता बृजेश श्रीवास्तव एवं उप अभियंता अर्पित बंजारे मौजूद रहे।

# अधूरे कार्य को शीघ्र पूरा करने निर्माण एवं विकास कार्यों के विषय में बैठक

लोक निर्माण प्रभारी एकांश बंछोर रहे मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों के विषय में सलाहकार समिति की बैठक हुई। जिसमे विभागीय सलाहकार समिति के प्रभारी एकांश बंछोर मौजूद रहे। समय 11:30 बजे से आहूत की गई बैठक में निर्माण कार्यों की बारी-बारी से जानकारी ली गई, निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने कहा गया। ऐसे कार्य जो आवश्यक है और किन्ही परिस्थिति के कारण प्रारंभ नहीं हो पाए हैं उन्हें शीघ्र प्रारंभ करने बैठक में कहा गया। अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने, शासन स्तर से निगम भिलाई के विकास कार्यों के लिए स्वीकृत हुए निर्माण कार्यों को प्रक्रिया मे लाकर निर्माण कार्य प्रारंभ करने। छोटे-बड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों मे प्रगति लाने प्रभारी ने कहा तथा ऐसे छोटे छोटे कार्य जिन्हें निर्धारित अवधि में किए जा सकते हैं शीघ्र पूर्ण कराने कहा गया है। इसके साथ ही अधूरे कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कराने सलाहकार समिति की बैठक में चर्चा हुई। बीएसपी से एनओसी वाले प्रकरणों की सूची अनुसार, इन कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में पार्षद एवं लोक निर्माण विभाग के सलाहकार समिति के सदस्य सेवन कुमार, योगेश साहू, इंजीनियर सलमान, नोमिन साहू, अभय कुमार सोनी, सुरेश कुमार वर्मा अधिकारियों में जोन आयुक्त येशा लहरें एवं प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता डीके वर्मा आदि मौजूद रहे।

# निगम ने जनसहयोग से की 5 तालाबों की सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जल संरक्षण के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लगातार साफ-सफाई कर तालाबों को संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। तालाबों की सफाई जनप्रतिनिधि की मदद से की गई। सुगन तालाब की सफाई की गई। जनप्रतिनिधि व लोगो श्रमदान से साफ-सफाई कर नया स्वरूप देने का प्रयास किया गया।

तालाब के किनारे की झाडियां काटी गई और तालाब से कचरा व पालीथिन निकाला गया। जिसमे शितला तालाब, कसारिडीह, पोटिया तालाब,लुचकि तालाब,डोगीया तालाब, बघेरा के तालाब बाबू तालाब पंज पारा की सफाई की गई। अब तालाब का एक बड़ा क्षेत्र साफ दिखाई देने लगा है,तालाब किनारे उग आए अनावश्यक को काटकर हटाया।

नगर निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त हरेश मंडावी ने कहा जनप्रतिनिधि व वार्ड नागरिको द्वारा तालाबों की सफाई अभियान को पावन पहल बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान से हम जुड़कर भविष्य के लिए जल संरक्षित व सुरक्षित कर सकते हैं। स्वस्छ पानी को सहेजने की पहल हम सभी को करनी होगी, तभी भविष्य के लिए पानी बचेगा। ऐसे में लोग अपनी यथासंभव भागीदारी निभाएं। आयुक्त हरेश मंडावी ने कहा कि तालाब के सफाई के लिए जनप्रतिनिध एवं लोगों का प्रयास सराहनीय है।

कुरूद में अवैध प्लाटिंग पर निगम ने की कार्यवाही

# डीपीसी लेवल के कंस्ट्रशन को जेसीबी से हटाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड 16 कुरूद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर किए जा रहे अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध कार्यवाही की गई। जोन क्रमांक 02 क्षेत्र अंतर्गत अवैध प्लाटिंग करने के उद्देश्य से चंदूलाल चंद्राकर हास्पिटल जाने वाले प्रमुख मार्ग के किनारे भूखंड में अनाधिकृत रूप से बनाए जा रहे मार्ग संरचना और डीपीसी लेवल को जेसीबी से ध्वस्त किया गया।

कार्यवाही करने जेसीबी, हाइवा के साथ निगम की तोड़फोड़ व विशेष दस्ता की टीम स्थल पर पहुंची, टीम ने कुरूद स्थित चंदूलाल चंद्राकर हास्पिटल जाने वाले रास्ते के मुख्य मार्ग के किनारे अवैध तरीके से प्लाटिंग करने के लिए मुरूम से बिछाए गए के मार्ग संरचना को हटाया। इस दौरान मौके पर कोई भी व्यक्ति भूखंड का दस्तावेज लेकर उपस्थित नहीं हुआ। वार्ड 16 कुरूद क्षेत्र में हो रहे अवैध प्लाटिंग की रोकथाम करने डीपीसी लेवल को छतिग्रस्त किया गया, साथ ही जाली तार से किए गए फैंसिंग और निर्माण के लिए तैयार किए जा रहे डीपीसी लेवल एवं चुना मार्किंग को हटाया गया।

उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने भिलाई निगम क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग, अवैध कब्जा, अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश समस्त जोन आयुक्त एवं विशेष दस्ता की टीम को दिए हैं। आयुक्त के निर्देश के पालन में विशेष दस्ता की टीम के प्रभारी एवं नोडल अधिकारी सुनील अग्रहरि एवं जोन क्रमांक दो आयुक्त पूजा पिल्ले व भवन अधिकारी हिमांशु देशमुख, सिद्धार्थ साहू, बालकृष्ण नायडू, अनिल मेश्राम और तोड़फोड़ की टीम में शामिल कर्मचारी कन्हैया यादव, मंगल जांगड़े, चैतू यादव, गोकर्ण कुर्रे, विष्णु सोनी, खेमलाल यादव एवं राजेंद्र सिंह इत्यादि ने मौके पर उपस्थित रहकर कार्रवाई की।

नाला की जमीन पर बनाया बाऊंड्रीवाल, स्थल निरीक्षण के बाद हटाया

# अतिक्रमण के चलते अटका था 85 लाख का निर्माण कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रिसाली।** मैत्रीकुंज में नाला को अवरूद्ध करने पर नगर पालिक निगम रिसाली ने गुरूवार को बेदखली अभियान चलाया। अतिक्रमण कर बनाए 150 फीट के बाऊंड्रीवाल को गिराया गया। अतिक्रमण की वजह से नाला निर्माण कार्य 4 माह से अटका था।

उल्लेखनीय है कि मैत्रीकुंज स्थित आकृति अपार्टमेंट ने 100 फीट नाला की जमीन और अपार्टमेंट के निकट रहने वाले योगेश्वर वर्मा ने 50 फीट अतिरिक्त जमीन को अतिक्रमण कर बाऊंड्रीवाल बना रखा था। शिकायत और स्थल निरीक्षण पश्चात निगम ने बाऊंड्रीवाल हटाने नोटिस जारी किया था। इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने पर सहायक अभियंता आर के जैन, उपअभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, राजस्व विभाग के हरचरण सिंह अरोरा व संजय वर्मा की टीम ने कार्यवाही करते हुए पहले 50 फीट और बाद में 100 फीट पर किए अतिक्रमण को हटाया। बिजली ऑफिस मैत्रीकुंज से रविन्द्र भगत के निवास स्थान तक 400 मीटर नाला निर्माण कार्य स्वीकृत है। लागत कुल 85 लाख है। 3.40 मीटर चैड़ा निर्माण कार्य में अतिक्रमण होने की वजह से पिछले 4 माह से कार्य बंद था।

सहायक अभियंता आर के जैन ने बताया कि बारिश में मैत्रीकुंज में पानी भरने की शिकायत रहती है। पानी भरने की समस्या को खत्म करने निगम ने नाला चैड़ीकरण करने प्लान बनाया है। अतिक्रमण की वजह से नाला की चैड़ाई कम होने से निर्माण एजेंसी ने निर्माण कार्य बंद कर दिया था।

# अवैध होंडिंग हटाने निगम की कार्रवाई, विज्ञापन एजेंसी में मचा हड़कंप

**दुर्ग।** नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर निगम अमले ने पुलगांव चौक, ऋषभ ग्रीन सिटी, महेश कालोनी होते हुए आगे लगे सड़क किनारे में अवैध होंडिंग पर नगर निगम ने कार्रवाई कर जेसीबी से तोड़कर हटवाया गया। विज्ञापन एजेंसी द्वारा निगम की सख्ती दिखाए जाने पर स्वयं कटर के माध्यम से भी अपना होंडिंग को कटवाकर रख रहे है। जिससे निगम की कार्रवाही से विज्ञापन एजेंसी में मचा हड़कंप निगमायुक्त ने शहर में पुलगांव चौक से मिनी माता चौक तक जितने भी अवैध होंडिंग लगे हुए है उसको हटाने के लिए निर्देशित किया है। नगर निगम बाजार विभाग, राजस्व विभाग, अतिक्रमण व उड़नदस्ता अमले ने आज कार्रवाही का तीसरे दिन भी पुलगांव से लेकर ऋषभ सिटी समेत सड़क किनारे बड़े एवं छोटे अवैध होंडिंग को जेसीबी से हटावाया। इस मौके पर अतिक्रमण विभाग अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उड़नदस्ता अधिकारी शिव शर्मा, पर स्थापित अवैध होंडिंग को हटाया गया। बीआईटी कॉलेज से लेकर मिनी माता चौक तक अवैध होडिंग पर कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

# कोक ओवन विभाग में ब्लैक डायमंड फाउंटेन का शुभारंभ, सीजीएम जीए राव ने किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का एक महत्वपूर्ण विभाग है कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग। जहां इस्पात निर्माण में प्रयुक्त कोक का उत्पादन किया जाता है। कोक ओवन की बैटरियों में कोल को कोक में बदलकर ब्लास्ट फर्नेस में उपयोग लाये जाने के लिए तैयार किया जाता है। कोक ओवन बिरादरी ने उत्पादन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में ब्लैक डायमंड फाउंटेन का निर्माण किया गया।

आंतरिक संसाधनों से किया निर्माण

कोक ओवन के कार्य वातावरण को पर्यावरण हितैषी बनाने हेतु अनेक तकनीकी उपायों के साथ-साथ मानवीय प्रयासों को भी अमली जामा पहनाया गया है। इस कड़ी में विभाग ने पर्यावरण उद्यान एग्ज़ोटिका गार्डन का विकास किया गया है। इस उद्यान में विभाग द्वारा अपने आंतरिक संसाधनों का प्रयोग करते हुए एक बेहतरीन 4.5 मीटर ऊँची ब्लैक डायमंड फाउंटेन का निर्माण किया गया है। इस झरने में विभाग के रेफ्रिजरेषन सिस्टम से निकलने वाले अपषिष्ट जल का उपयोग किया गया है।

### टाईगर गजीबों व 3-डी लोगों बना आकर्षण का केन्द्र

इसके साथ ही इस फाउंटेन में सेल का 3-डी लोगो विषेष आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। इस फाउंटेन के पास रिलेक्स करने हेतु झूले का भी निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त इसमें बैठने हेतु हट का निर्माण भी किया गया है, जिसे 'टाईगर गजीबो' नाम दिया गया है। झरने से प्राप्त ठंडा वातावरण, आरामदायक हट में बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ झूले में रिलेक्स करने की पूरी व्यवस्था की गई है।

### पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका

कोक ओवन बिरादरी का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ एक बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस फाउंटेन की सुंदरता को इसमें लगे प्रकाष व्यवस्था ने और खूबसूरत बना दिया है। यह कोक ओवन के कार्मिकों को एक स्वच्छ सुंदर और सुकुन भरा कार्य-वातावरण प्रदान करने के साथ-साथ बेहतर हाउसकीपिंग प्रदान करने में सफल हुआ है।

### निर्माण में इनका है योगदान

इसका निर्माण कोक ओवन के मुख्य महाप्रबंधक जी ए राव के मार्गदर्षन में सहायक महाप्रबंधक (मेकेनिकल) सौम्य रंजन महापात्र के कुषल नेतृत्व में प्रबंधक संदीप गुरूवा,गुरूषरण सिंह, उप प्रबंधक श्री रौनक सिंह, अषोक चेतन फुटाने, चार्जमेन नारायण यादव, वरिष्ठ तकनीषियन अषोक डाकुआ, सुभाष साहू, तकनीषियन आलोक पाठक, टीमा साहू, बी डी मानिकपुरी तथा प्रभुलाल की समर्पित टीम ने किया है। इसके निर्माण में आंतरिक संसाधनों का भरपूर उपयोग किया गया।

### सीजीएम ने किया उद्घाटन

आज दिनांक 10 फरवरी, 2022 को कोक ओवन के मुख्य महाप्रबंधक जी ए राव ने ब्लैक डायमंड फाउंटेन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी)राजीव श्रीवास्तव एवं ओए के महासचिव परविंदर सिंह सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण विषेष रूप से उपस्थित थे।

रंगोली बनाकर दिया स्वच्छता का संदेश

# प्रतियोगिता में शामिल होने शहर के अंतिम छोर से पहुंची महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के तहत रिसाली कल्याणी मंदिर के सामने मंच पर रंगोली प्रतियोगिता कराया गया। प्रतिभागी महिलाएं शहर के अंतिम छोर पुरैना से भी पहुंची थी। उन्होंने रंगोली से आकर्षक कलाकृति बनाकर रिसाली क्षेत्र को सुंदर बनाने संदेश दिया।

स्वच्छता को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में महिलाएं बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है। गुरूवार को पुरैना, डुंडेरा जैसे दुरस्थ क्षेत्र से महिलाएं प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंची थी। स्वच्छता को लेकर महिलाएं ने जमीन पर रंगोली से लाल किला बनाकर उस पर गांधी जी का चश्मा रखा। वहीं कुछ महिलाओं ने डोर टू डोर कचरा कलेक्शन तो कोई गांधी जी का चित्र बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया। प्रतियोगिता में प्रथम तीन को क्रमश: 1500, 1000 व 500 रूपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

### प्रतियोगिता में इन्होंने लिया हिस्सा

राधे-राधे स्वसहायता समूह मरोदा, एश्वर्य स्वसहायता समूह मरोदा, सत्य ठाकुर डुंडेरा, बाला जी स्वसहायता समूह मरोदा, इन्द्रकला गायकवाड़ रिसाली, जीत ताड़ी पुरैना, रिया सिंग डुंडेरा, दामिनी गेड़े रिसाली व रिद्धि गायकवाड़ रिसाली।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर पालिक निगम रिसाली में कराए जाने वाले स्पर्धा के लिए स्पर्धा प्रविष्ठियां आमंत्रण की अंतिम तिथि 10 फरवरी से बढ़ाकर 17 फरवरी रखा गया है। अब स्वच्छता लघु पिक्चर, दीवार पर स्वच्छता संदेश लेखन, कबाड़ से कला, स्वच्छ बाजार और कैलेण्डर हेतु स्वच्छता ड्राइंग के प्रतिभागी 17 फरवरी तक प्रविष्ठियां जमा कर प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950